राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 98 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, गुरूवार 19 फरवरी 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस ने 7.5 करोड़ रुपए की हेरोइन के साथ दंपति समेत तीन को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने मंगलवार रात भोपुरा बॉर्डर के पास 1.504 किलोग्राम स्मैक/हेरोइन बरामद की है। बरामद नशीले पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 7.5 करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस ने इस मामले में पति-पत्नी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरिफ नामक व्यक्ति बरेली (उत्तर प्रदेश) से भारी मात्रा में हेरोइन लाकर गाजियाबाद और दिल्ली के विभिन्न इलाकों में सप्लाई करता है। सूचना के आधार पर भोपुरा बॉर्डर क्षेत्र में रेकी की गई और संदिग्ध वैगनआर टैक्सी पर नजर रखी गई। तकनीकी और मानवीय खुफिया तंत्र को सक्रिय करते हुए इंस्पेक्टर विकास पन्नू के नेतृत्व तथा एसीपी/एएनटीएफ सतेंद्र मोहन के पर्यवेक्षण में टीम गठित की गई।

गाजियाबाद की ओर से आती एक संदिग्ध वैगनआर कार को घेराबंदी कर रोका गया। कार में सवार आरिफ खान (36) और उसकी पत्नी शिखा अली (30) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। इस दौरान तलाशी में उनके कब्जे से 303 ग्राम हेरोइन बरामद हुई, जबकि कार की पिछली सीट पर रखे बैग से 1007 ग्राम हेरोइन मिली। पूछताछ में खुलासा हुआ कि दोनों परिवार के साथ यात्रा का बहाना बनाकर रात के अंधेरे में तस्करी करते थे, ताकि पुलिस को शक न हो।

दंपति से पूछताछ के बाद हेरोइन के रिसीवर जुम्मन (32), निवासी जे.जे. कॉलोनी, भलस्वा डेयरी दिल्ली को भी गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर 194 ग्राम हेरोइन और बरामद की गई। इस तरह कुल बरामदगी 1504 ग्राम रही।

जांच में सामने आया कि आरिफ कोविड काल में नौकरी छूटने के बाद टैक्सी चलाने लगा और बरेली के एक कथित किंगपिन के संपर्क में आकर तस्करी में शामिल हो गया। जुम्मन पुड़िया बनाकर स्थानीय स्तर पर ड्रग्स सप्लाई करता था।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा- कांग्रेस, सपा और भाजपा की सोच अंबेडकर विरोधी, गठबंधन पर फैलाया जा रहा झूठ

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने गठबंधन को लेकर चल रही खबरों का खंडन किया है। उन्होंने आरोप लगाए कि लोगों को गुमराह करने की नीयत से झूठी खबरें फैलाई जा रही हैं। मायावती ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और भाजपा की सोच भीमराव अंबेडकर विरोधी होने के कारण उनके साथ गठबंधन से बसपा को भारी नुकसान होता है। मायावती ने बुधवार को एक बयान जारी करके कहा, व्यापक देश व जनहित की कड़वी हकीकत के बारे में देश व दुनिया को जागृत करके लोकतंत्र और संविधान को मजबूती प्रदान करने के बजाय, इन दिनों एआई को सफलता की कुंजी बताने की स्वार्थी चर्चाओं के बीच किसी ना किसी बहाने बसपा के बारे में यह चर्चा है कि उत्तर प्रदेश में पार्टी विधानसभा का होने वाला अगला चुनाव गठबंधन में लड़ेगी, जो विशुद्ध रूप से लोगों को गुमराह करने की नीयत वाली यह झूठी और मनगढ़ंत खबरें हैं। उन्होंने कहा कि अपने बलबूते पर चुनाव लड़ने के बारे में बसपा की ओर से एक बार नहीं, बल्कि कई बार सार्वजनिक तौर पर घोषणा की गई।

देशसेवा का संकल्प और सफ़लता की उड़ान: मुंगेली की सुप्रिया सिंह बनी लेफ्टिनेंट

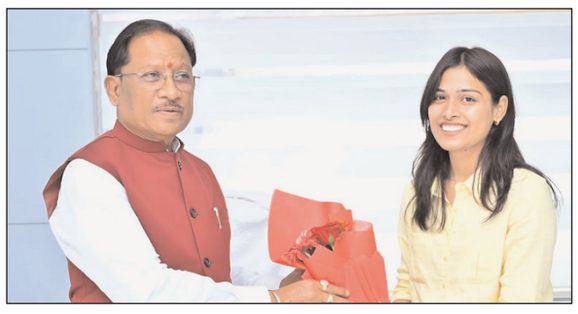

सुप्रिया से प्रेरणा लेकर युवाओं को अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए: मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय ने किया सम्मानित, राज्य का नाम रोशन करने पर दी बधाई एवं शुभकामनाएं

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन स्थित अपने कार्यालय में सीडीएस परीक्षा में ऑल इंडिया चौथा रैंक प्राप्त करने वाली मुंगेली की सुश्री सुप्रिया को सम्मानित किया। उन्होंने सुप्रिया और उनके परिजनों को पुष्पगुच्छ भेंटकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी और मुँह मीठा कराया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुप्रिया की सफ़लता यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास ईमानदार हों, तो साधारण पृष्ठभूमि से आने वाला युवा भी असाधारण उपलब्धि हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि सुप्रिया का अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण राज्य के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के युवाओं को सुप्रिया से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य पाने की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर मुंगेली कलेक्टर कुन्दन कुमार भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि जिले के ग्राम टेढ़ाधौंरा की 23 वर्षीय सुप्रिया ठाकुर ने सीडीएस परीक्षा में ऑल इंडिया चौथी रैंक प्राप्त कर मुंगेली जिला सहित राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। अपनी प्रतिभा, अनुशासन और देशसेवा के अटूट संकल्प के बल पर वे भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयनित हुई हैं। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर उन्हें मुख्यमंत्री ने शुभकामनाएं दी है।

साधारण परिवेश से असाधारण उपलब्धि तक

ग्राम टेढ़ाधौंरा निवासी सुप्रिया सिंह श्रीनेत एक किसान परिवार से आती हैं। उनकी माता श्रीमती संतोषी सिंह श्रीनेत और पिता श्री वैदेही शरण सिंह, जो पेशे से किसान हैं, ने सदैव उन्हें शिक्षा और संस्कारों का मजबूत आधार दिया। परिवार के स्नेहिल और अनुशासित वातावरण में पली-बढ़ी सुप्रिया ने प्रारंभिक शिक्षा सेंट जोसेफ हायर सेकेंडरी स्कूल से प्राप्त की। उन्होंने कक्षा 10वीं में 71 प्रतिशत और 12वीं में 58 प्रतिशत अंक अर्जित किए। इसके बाद उन्होंने बी.टेक (इलेक्ट्रॉनिक एंड टेलीकम्युनिकेशन) में स्नातक की डिग्री हासिल की। इंजीनियरिंग अध्ययन के दौरान ही उन्होंने एनसीसी को अपनाया।

मुख्यमंत्री से आईएमए के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से महानदी भवन में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन छत्तीसगढ़ स्टेट के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की।इस दौरान डॉक्टरों ने 7 व 8 मार्च 2026 राजधानी रायपुर में स्थित श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफमेडिकल साइंसेज में 卐आईएमए सीजीकॉन 2026卐 21 वां स्टेट कॉन्फ्रेंस का न्यौता दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर आईएमए छत्तीसगढ़ राज्य शाखा अध्यक्ष एवं चेयरमेन डॉ अनूप वर्मा,अध्यक्ष हॉस्पिटल बोर्ड डॉ सुरेंद्र शुक्ला,आईएमए सचिव डॉ संजीव श्रीवास्तव, डॉ गंभीर सिंह उपस्थित थे।

मशहूर एक्ट्रेस प्रवीणा देशपांडे का 60 साल की उम्र में निधन, लंबे समय से लड़ रही थीं कैंसर से जंग

मुंबई (एजेंसी)। हिंदी और मराठी मनोरंजन जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाली मशहूर अभिनेत्री प्रवीणा देशपांडे का 60 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह साल 2019 से मल्टीपल मायलोमा (ब्लड कैंसर) जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारी से मजबूती से जंग लड़ रही थीं, लेकिन आखिरकार 17 फरवरी को उन्होंने अंतिम सांस ली। दिवंगत अभिनेत्री के शोकाकुल परिवार ने उनके आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिए यह दिल दहला देने वाली खबर साझा की है। प्रवीणा देशपांडे का अंतिम संस्कार आज दोपहर 3 बजे मुंबई के अंधेरी ईस्ट स्थित चकला पारसीवाड़ा के एक हिंदू श्मशान घाट पर नम आंखों के बीच किया गया। उनके इस तरह चले जाने से सिनेमा और टीवी जगत को एक अपूरणीय क्षति हुई है। प्रवीणा देशपांडे को हिंदी और मराठी सिनेमा में उनके बेहतरीन सपोर्टिंग और कैरेक्टर रोल्स के लिए हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा। यूं तो उन्होंने कई फिल्मों में काम किया, लेकिन दर्शकों के बीच उन्हें सबसे बड़ी पहचान सलमान खान की साल 2011 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'रेडी' से मिली। इस फिल्म में उनके द्वारा निभाए गए 'शालू चौधरी' के किरदार ने लोगों के दिलों पर एक गहरी छाप छोड़ी थी। इसके अलावा उन्होंने जॉन अब्राहम के साथ फिल्म 'परमाणु', सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर 'एक विलेन' और 'जलेबी' जैसी कई हिट फिल्मों में अपने शानदार अभिनय का लोहा मनवाया।

भारतीय स्टार्टअप्स के सपोर्ट के लिए 150 मिलियन डॉलर निवेश करेगी

अमेरिकी चिप कंपनी क्वालकॉम का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज अमेरिकी चिप कंपनी क्वालकॉम ने बुधवार को सभी प्रकार के भारतीय स्टार्टअप्स के सपोर्ट के लिए 150 मिलियन डॉलर निवेश करने का ऐलान किया। कंपनी ने बयान में कहा कि इसके जरिए उनकी कोशिश भारत में बढ़ती टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है। इसमें फोकस ऑटोमोटिव के लिए एआई, आईओटी, रोबोटिक्स और मोबाइल टेक्नोलॉजी पर किया जाएगा। क्वालकॉम के प्रेसिडेंट और सीईओ क्रिस्टियानो एमोन ने कहा, क्वालकॉम अपने नए स्ट्रेटेजिक एआई वेंचर फंड के माध्यम से उन कंपनियों में निवेश कर रहा है जो भारत में एआई के अगले अध्याय को आगे बढ़ा रही हैं।

अमोन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक नए चरण में प्रवेश कर रही है, जहां इंटेलिजेंस सीधे उन उपकरणों और प्रणालियों में अंतर्निहित होगी जिन पर लोग प्रतिदिन निर्भर रहते हैं, चाहे वे स्मार्टफोन और पीसी, कारें, औद्योगिक मशीनें और रोबोट आदि हों। इससे अधिक समृद्ध और सार्थक अनुभव प्राप्त होंगे। उन्होंने आगे कहा कि यह बदलाव संपूर्ण उद्योगों को नया रूप देगा।

अमोन ने कहा कि भारत में सभी क्षेत्रों में एआई इनोवेशन को बढ़ावा देने में स्टार्टअप इकोसिस्टम की महत्वपूर्ण भूमिका है। कंपनी ने प्रेस रिलीज में कहा कि यह वेंचर फंड भारत के तकनीकी परिदृश्य के प्रति क्वालकॉम की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता रेखांकित करता है और यह वैश्विक स्तर पर अत्याधुनिक एआई को आगे बढ़ाने में कंपनी के नेतृत्व के अनुरूप है। क्वालकॉम का लक्ष्य उभरती कंपनियों को परिवर्तनकारी, बाजार में अग्रणी समाधान विकसित करने में मदद करना है, जिसके लिए वह संस्थापकों को अपनी गहन तकनीकी विशेषज्ञता और वैश्विक उद्योग नेटवर्क तक पहुंच प्रदान करके नवाचार को गति प्रदान करती है। प्रेस रिलीज में कहा गया है कि क्वालकॉम 2007 से भारत के स्टार्टअप समुदाय में निवेश कर रहा है और उसने मैपमाईइंडिया (डिजिटल मानचित्र और नेविगेशन समाधान प्रदाता), आइडियाफोर्ज (ड्रोन प्रौद्योगिकी में अग्रणी) आदि जैसी 40 से अधिक कंपनियों का समर्थन किया है।

सहमति से बने शारीरिक संबंध दुष्कर्म नहीं, महिला के आरोपों पर कलकत्ता हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने एक पुरुष पर महिला की तरफ से लगाए गए दुष्कर्म के आरोपों की सुनवाई के दौरान बड़ा फैसला सुनाया है।

मामले में अदालत ने कहा है कि अगर शादी नहीं हो पाती है और रिश्ते टूट गया है, तो सिर्फ इसलिए ही आपसी सहमति से बने शारीरिक संबंधों को दुष्कर्म नहीं माना जा सकता। मामले की सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि शुरुआत से ही धोखा देने का इरादा होना चाहिए था। जज ने आगे कहा कि जिस तरह से दोनों (महिला और पुरुष) व्यवहार कर रहे थे, उससे दोनों की आपसी सहमति के संकेत मिल रहे थे।

जानकारी के अनुसार, बीते सोमवार (16 फरवरी) को हाईकोर्ट ने आरोपी के खिलाफ दर्ज केस रद्द कर दिया।

शख्स पर आरोप थे कि उसने शादी का वादा कर महिला के साथ दुष्कर्म किया और जबरन गर्भपात भी कराया है। इस मामले में जस्टिस चैताली चटर्जी (दास) की बेंच ने कहा कि जब दोनों साथ में घूमे और पति पत्नी की तरह रहे। ऐसे में यह आपसी सहमति दर्शाता है। कोर्ट ने कहा कि शुरुआत से ही धोखा देने या गलत इरादा होना चाहिए था, इसके तहत महिला को यौन संबंध बनाने के लिए प्रेरित किया गया हो।

आर्मी की युद्धक तैयारी, एआई के दम पर 'किल चेन' को स्मार्ट बनाने की पहल

नई दिल्ली। इंडियन आर्मी अब टेक्नोलॉजी के मोर्चे पर कई बड़ी पहल कर रही है। राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान सेना ने साफ कर दिया कि आने वाले समय की लड़ाई सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जीती जाएगी।

यहां बुधवार को 'स्मार्टाइजिंग द किल चेन' विषय पर हुए एक खास सेमिनार में सेना के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के दिग्गज और बड़े शिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञ जुटे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इसे रेप की तैयारी बताया था, सीजेआई ने फैसला पलटा

नाड़ा खींचना, ब्रेस्ट पकड़ना रेप की कोशिश-सुप्रीम कोर्ट

प्रयागराज (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी लड़की के पायजामे का नाड़ा खींचना और ब्रेस्ट पकड़ना रेप की कोशिश माना जाएगा। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें इसे रेप की कोशिश की जगह रेप की तैयारी बताया गया था।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने आपराधिक कानून के स्थापित सिद्धांतों का गलत इस्तेमाल किया है। कोर्ट ने कहा,

हम हाईकोर्ट की इस बात से सहमत नहीं हैं कि आरोप केवल तैयारी तक सीमित हैं। आरोपियों की हरकत साफ तौर पर रेप की कोशिश की ओर इशारा करती है। पहली नजर में शिकायतकर्ता और अभियोजन ने रेप की कोशिश का मामला बना दिया है।

दरअसल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 17 मार्च, 2025 को दिए आदेश में कहा था कि ये कृत्य रेप या रेप की कोशिश की केटेगरी में नहीं आते, इसके बाद 'अटेंप्ट टू रेप' का आरोप हटाने का निर्देश दिया था।

हाईकोर्ट का फैसला सामने आते ही विवाद बढ़ गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट के आदेश पर 25 मार्च, 2025 को रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि आरोपियों पर 'अटेम्प्ट टू रेप' का चार्ज हटाया जाए। उन पर यौन उत्पीड़न की अन्य धाराओं के तहत केस चलाने का आदेश दिया था। (स्केच- संदीप पाल)

17 मार्च, 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा ने कहा- किसी लड़की के निजी अंग पकड़ लेना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ देना और जबरन उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश से रेप या 'अटेम्प्ट टू रेप' का मामला नहीं बनता। यह रेप की तैयारी है।

उन्होंने फैसला सुनाते हुए 2 आरोपियों पर लगी धाराएं बदल दीं। वहीं 3 आरोपियों के खिलाफदायर क्रिमिनल रिवीजन पिटीशन स्वीकार कर ली। हाईकोर्ट ने आरोपी आकाश और पवन पर IPC की धारा 376 (बलात्कार) और POCSO अधिनियम की धारा 18 के तहत लगे आरोपों को घटा दिया।

उन पर धारा 354(बी) (कपड़े उतारने के इरादे से हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और POCSO अधिनियम की धारा 9/10 (गंभीर यौन हमला) के तहत मुकदमा चलाने का आदेश दिया। साथ ही निचली अदालत को नए सिरे से समन जारी करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने खुद संज्ञान लिया और फैसले पर रोक लगाई

हाईकोर्ट के फैसले पर कानूनी विशेषज्ञों, राजनेताओं और अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने विरोध जताया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के इस फैसले का स्वत: संज्ञान लिया। 25 मार्च, 2025 को हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी गई। तत्कालीन सीजेआई बी.आर. गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने इस केस पर सुनवाई की थी। बेंच ने कहा, 卐हाईकोर्ट के आदेश में की गई कुछ टिप्पणियां पूरी तरह असंवेदनशील और अमानवीय नजरिया दिखाती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग, दुर्ग संभाग, दुर्ग

जिला-दुर्ग के मिनीमाता चौक से महाराजा चौक ठगड़ा डेम तक मार्ग लंबाई- 4.75 किमी. 04 लेन निर्माण कार्य लागत राशि रू. 2857.86 लाख जिला दुर्ग के ठगड़ा बांध जेल तिराहा चौक से मिनीमाता चौक तक लंबाई- - 4.75 किमी. में युटिलिटी शिफ्टिंग कार्य लागत राशि रू. 1215.24 लाख

कुल लागत रू. - 4073.10 लाख

मुख्य अतिथि
माननीय श्री गजेन्द्र यादव जी
मंत्री, स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य, छ.ग. शासन

अध्यक्षता
माननीय श्री सुरेन्द्र कौशिक जी
जिला अध्यक्ष, भाजपा, जिला-दुर्ग

विशिष्ट अतिथि
माननीया श्रीमती अल्का बाघमार जी
महापौर, दुर्ग
माननीय श्री श्याम शर्मा जी
सभापति, नगर पालिका निगम, दुर्ग

श्री लीलाधर पाल, श्री संजय अग्रवाल, श्री भास्कर कुण्डले, श्री दीपक साहू, श्रीमती सविता पोषण साहू, श्रीमती हिरौंदी चंदानिया, श्री अश्वनी निषाद, श्री साजन जोसफ श्री गुलशन साहू

की गरिमामयी उपस्थिति में दिनांक 19 फरवरी 2026, गुरूवार को संपन्न होगा।

स्थान : महाराजा चौक, दुर्ग समय : शाम 4 बजे

लोक निर्माण विभाग, दुर्ग संभाग, दुर्ग

खबर-खास

पाटन के शांति चौक में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन, दूसरे दिन सृष्टि वर्णन व ध्रुव चरित्र की कथा

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन के वार्ड क्रमांक 06 स्थित शांति चौक में देवांगन परिवार के द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथा के दूसरे दिन पं. कृष्ण कुमार तिवारी जी (पाटन वाले महाराज श्री) ने सृष्टि वर्णन, मनु-शतरूपा से मानव सृष्टि विस्तार, सती चरित्र एवं ध्रुव चरित्र की भावपूर्ण कथा सुनाई।

कथावाचन में उन्होंने बताया कि माता सती प्रजापति दक्ष की 16 पुत्रियों में सबसे छोटी पुत्री थीं। सती ने भगवान शिव से विवाह किया, जो उनके पिता को स्वीकार नहीं था। इसी कारण प्रजापति दक्ष ने एक विशाल यज्ञ का आयोजन किया और जानबूझकर भगवान शिव एवं सती को आमंत्रित नहीं किया।

इसके बावजूद माता सती अपने पिता के यज्ञ में पहुँचीं, जहाँ भगवान शिव का अपमान हुआ। पति के अपमान को सहन न कर पाने पर सती ने अपने स्वाभिमान और पतिव्रत धर्म की रक्षा हेतु यज्ञ की अग्नि में योगबल से देह त्याग कर दिया।

इस घटना से क्रोधित होकर भगवान शिव ने अपने प्रमुख गण वीरभद्र को भेजा, जिन्होंने यज्ञ विध्वंस कर दक्ष सहित सभी को दंडित किया। पश्चाताप और क्षमा याचना के बाद भगवान शिव ने दक्ष को पुनर्जीवन प्रदान किया और उन्हें बकरे का सिर प्रदान कर पुन: जीवित किया। कथा के दौरान ध्रुव चरित्र का भी विस्तार से वर्णन किया गया। बताया गया कि बालक ध्रुव ने मात्र पाँच वर्ष की आयु में देवर्षि नारद से मंत्र प्राप्त कर कठोर तपस्या की। सौतेली माता सुरुचि के तिरस्कार से आहत होकर उन्होंने भगवान की आराधना की और अंतत: भगवान विष्णु के दर्शन प्राप्त किए।

भगवान विष्णु ने प्रसन्न होकर ध्रुव को आकाश में अटल स्थान प्रदान किया, जो आज ध्रुव तारे के रूप में विख्यात है। यह कथा अटूट श्रद्धा, भक्ति और दृढ़ निश्चय का संदेश देती है। कथा श्रवण हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं।

सीआरपीएफ द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन,लोगो के स्वास्थ्य जांच के साथ सामग्री वितरण

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में नक्सलियो का लगभग सफाया हो चुका है,आमने सामने की लड़ाई लड़ने वाले सीआरपीएफ के जवान अब प्रभावित बीहड़ों तक पहुंच ग्रामीणों जनो का दिल जीत रहे हैं। बुधवार को थाना इंदागांव में मौजूद सीआरपीएफने सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत जन कल्याण का कार्यक्रम का आयोजन इन्दागांव में किया । सीआरपीएफ211 वी बटालियन के द्वितीय कमांडेंड रंजन कुमार बहाली की मौजूदगी में आयोजित शिविर में 600 से अधिक ग्रामीण शामिल हुए, 400 से ज्यादा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क दवाई दी गई ।इसके अलावा ग्रामीणों को रोजमर्रा एवं जुड़ी जरूरी सामग्री स सिंटेक्स टंकी, बच्चों को स्कूल ड्रेस,नोट बुक,पेंसिल,रबर,स्कूल बैग के अलावा ग्रामीणों पुरुषों को गमछा,लूंगी एवं अन्य सामग्री के साथ ही महिलाओं को साड़ी,बर्तन, बुजुर्गों को कंबल,बर्तन समेत अन्य जरूरी सामग्री वितरित किया गया ।सीआरपीएफने ऐसे ही जनसेवक कार्यक्रम का आयोजन कर बीहड़ नक्सली इलाको में नक्सल प्रभाव में आ चुके लोगों के मन में फोर्स के प्रति सम्मान और विश्वास जगाने में सफल रही है।

पाण्डुका के के.वी. लक्ष्मी मेडिकल स्टोर्स में औषधि विभाग की कार्रवाई, दो दवाओं के नमूने जांच के लिए भेजे गए

गरियाबंद (समय दर्शन)। पाण्डुका स्थित के.वी.लक्ष्मी मेडिकल स्टोर्स में सूचना मिलने पर औषधि विभाग की टीम ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दो दवाओं पर संदेह होने पर उनके नमूने लेकर जांच के लिए औषधि जांच प्रयोगशाला, रायपुर भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद दवाओं की गुणवत्ता की स्थिति स्पष्ट होगी । निरीक्षण में दुकान में कुछ अनियमितताएं भी पाई गईं। इनमें एक्सपायरी दवाओं का होना, दवाओं का सही तरीके से भंडारण न किया जाना तथा नियमों का उल्लंघन शामिल हो सकता है। इन कमियों को लेकर उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी गई है। नियमों के अनुसार दुकान के लाइसेंस पर कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। यह कार्रवाई औषधि निरीक्षक धर्मवीर सिंह ध्रुव द्वारा की गई ।औषधि विभाग ने बताया कि यह कदम लोगों को सुरक्षित दवाएं उपलब्ध कराने और नकली अथवा घटिया दवाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से उठाया गया है ।जांच पूरी होने के बाद दोषी पाए जाने पर संबंधित के खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाएगी।

क्या नियमों को ताक पर रखकर हो रहा आवंटन? गरियाबंद में व्यावसायिक परिसर बना विवाद का केंद्र

गरियाबंद (समय दर्शन)। गौरवपथ व्यवसायिक परिसर की नीलामी पर घमासान, नियमों की अनदेखी के आरोपो से घिरा नगर पालिका, नगर के हृदय स्थल गौरवपथ मार्ग स्थित प्रस्तावित व्यवसायिक परिसर की नीलामी को लेकर विवाद गहरा गया है। स्थानीय नागरिकों ने कलेक्टर जनदर्शन में औपचारिक आवेदन सौंपते हुए निर्माण और नीलामी प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

आवेदन में नगरपालिका प्रशासन पर नियमों की अनदेखी, पारदर्शिता की कमी और सार्वजनिक हित की उपेक्षा के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

स्वीकृतियों पर सवाल

आवेदन में कहा गया है कि परियोजना के लिए राजस्व विभाग एवं रेरा (रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण) से आवश्यक अनुमतियां लिए बिना ही निर्माण और नीलामी प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं तो यह छत्तीसगढ़ नगरपालिका अधिनियम, रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 तथा शासकीय भूमि उपयोग संबंधी प्रावधानों का उल्लंघन माना जा सकता है।

बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी

नगरवासियों का आरोप है कि प्रस्तावित परिसर में पार्किंग, सार्वजनिक शौचालय और आमजन के बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की गई है। नगर नियोजन मानकों के अनुसार किसी भी व्यावसायिक परिसर के लिए पर्याप्त पार्किंग और सार्वजनिक सुविधा अनिवार्य मानी जाती है।

आर्थिक पारदर्शिता पर भी सवाल

निर्माण अवधि, कुल लागत और किराया निर्धारण की स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक न होने से संभावित आर्थिक अनियमितताओं की आशंका व्यक्त की गई है। नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया कि दुकानों के आवंटन में नगरपालिका क्षेत्र से बाहर के व्यक्तियों को प्राथमिकता दिए जाने की संभावना है, जिससे स्थानीय बेरोजगार, व्यापारियों के हित प्रभावित हो सकते हैं।

जांच और रोक की मांग

नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि नीलामी और निर्माण कार्य पर तत्काल प्रभाव से रोक

लगाकर स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। नगर में इस मुद्दे को लेकर असंतोष बढ़ता दिखाई दे रहा है। यदि प्रशासन ने शीघ्र स्पष्टता नहीं दी तो विवाद और बढ़ सकता है।

स्थानीय हितों की अनदेखी का आरोप

आवेदनकर्ताओं का कहना है कि यदि इस परिसर का उद्देश्य नगर के बेरोजगार युवाओं और छोटे व्यापारियों को स्वरोजगार उपलब्ध कराना था, तो फिर बाहरी आवेदकों को प्राथमिकता देना नीतिगत विरोधाभास दर्शाता है। इससे स्थानीय आर्थिक संतुलन प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। नगर पालिका परिषद पर यह आरोप लगाया गया है कि दुकानों का आवंटन स्थानीय बेरोजगार युवाओं को प्राथमिकता देने के बजाय बाहरी बोलीदाताओं के पक्ष में किया जा रहा है, जिससे इस परियोजना की मूल भावना पर ही सवाल खड़े हो गए हैं।

आरक्षण बनाम बोली प्रक्रिया – नियमों पर प्रश्न

सबसे बड़ा सवाल यह उठाया गया है कि जब दुकानों में आरक्षण लागू किया गया है, तो फिर खुली बोली (ह्रष्द्वश्ठ) की प्रक्रिया कैसे लागू की गई? सामान्यत: आरक्षित श्रेणियों के लिए आवंटन की पृथक एवं पारदर्शी प्रक्रिया निर्धारित होती है। दोनों व्यवस्थाओं का एक साथ उपयोग प्रशासनिक स्पष्टता और वैधानिक प्रावधानों की दृष्टि से जांच का विषय बन गया है।

गांधी मैदान की भूमि प्रभावित होने की आशंका

सबसे संवेदनशील आरोप ऐतिहासिक महत्व वाले गांधी मैदान से जुड़ा है। नागरिकों का दावा है कि निर्माण से मैदान की लगभग 5 से 10 फीट भूमि प्रभावित हो सकती है, जिससे उसका आकार और पारंपरिक स्वरूप बदल जाएगा। वर्षों से यह मैदान खेलकूद, सामाजिक, धार्मिक और वैवाहिक आयोजनों का केंद्र रहा है। ऐसे में सार्वजनिक उपयोग की भूमि में संभावित अतिक्रमण का मुद्दा जनभावनाओं से सीधे जुड़ गया है।

नीलामी प्रक्रिया पर गंभीर प्रश्न

शिकायत में उल्लेख है कि 16 फरवरी की देर रात तक नीलामी संचालित की गई, जबकि अधिकृत बोलीदाताओं की सूची पूर्व में सार्वजनिक नहीं की गई। आरक्षणवार दुकानों के लिए अलग-अलग बोली प्रक्रिया न अपनाने, अधूरे दस्तावेजों के बावजूद आवेदन स्वीकार करने तथा अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा बोली लगाने के आरोप भी लगाए गए हैं।
यदि यह तथ्य प्रमाणित होते हैं तो यह छत्तीसगढ़ लोक परिसंपत्ति नीलामी नियमों और पारदर्शी निविदा प्रक्रिया के सिद्धांतों के विपरीत माना जा सकता है।

पीपीपी मॉडल और लागत पर शंका

परियोजना को **PPP (Public Private Partnership)** मॉडल के तहत निर्मित किया जाना बताया जा रहा है। आरोप है कि दुकानों का निर्माण लागत निर्धारित मानकों से अधिक दर पर किया जा रहा है, जिससे भविष्य में किराया और विक्रय मूल्य असामान्य रूप से बढ़ सकता है। इस बिंदु पर नगर पालिका प्रशासन कठघरे में है और विस्तृत वित्तीय विवरण सार्वजनिक करने की मांग उठ रही है।

गौरवपथ किनारे निर्माण पर नियमों का सवाल

शिकायतकर्ताओं का यह भी दावा है कि प्रचलित नगर नियोजन मानकों के अनुसार गौरवपथ मार्ग के किनारे व्यावसायिक परिसर निर्माण की अनुमति नहीं है। यदि ऐसा कोई प्रतिबंध लागू है, तो संबंधित स्वीकृतियों और मास्टर प्लान के अनुरूपता की जांच आवश्यक हो जाती है।

मामला अब केवल नीलामी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि स्थानीय रोजगार, नगर नियोजन और वित्तीय पारदर्शिता से जुड़ा संवेदनशील मुद्दा बन गया है। नगर में जनभावनाएं लगातार मुखर हो रही हैं और आने वाले दिनों में यह मुद्दा व्यापक जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

ब्राउन शुगर सहित 05 आरोपियों को पकड़ने में मुंगेली पुलिस को मिली बड़ी सफलता

भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे अभियान '' नशा मुक्त भारत पखवाड़ा'' के तहत ब्राउन शुगर ब्रिकी करने वाले के विरूद्ध की गई कड़ी कार्यवाही

मुंगेली(समय दर्शन)। थाना सिटी कोतवाली मुंगेली मे आरोपीगण के विरूद्ध अपराध क्रमांक 60/2025 धारा 21 (ख) एन.डी.पी.एस.एक्ट पंजीबद्ध भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे अभियान नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत नशे के अवैध कार्य करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके परिपालन मे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री भोजराम पटेल (भा.पु.से.) द्वारा चलाये जा रहे अभियान ''ऑपरेशन बाज'' के तहत सुखा नशा जैसे ब्राउन शुगर, चरस, अफीम के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने निर्देशित किया गया व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुंगेली नवनीत कौर छाबड़ा व अति.पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी के पर्यवेक्षण में दिनांक 17.02.2026 को जरिये मुखबीर सूचना प्राप्त हुआ कि 03 व्यक्ति बी.आर.साव मुंगेली स्कुल मैदान मे अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर ब्रिकी करने के लिये ग्राहक तलाश कर रहे है कि सूचना पर जिले की साइबर सेल एवं थाना सिटी कोतवाली मुंगेली पुलिस द्वारा संयुक्त टीम गठित कर विधिसम्मत कार्यवाही हेतू रवाना किया गया।

सूचना तस्दीकी हेतू बी.आर.साव स्कुल मैदान मे घेराबंदी कर रेड कार्यवाही कर मुखबीर के बताये हुलिया अनुरूप 03 व्यक्तियों को हिरासत मे लेकर पुछताछ किया गया जो संदेही अपना नाम 1.अजय देवांगन पिता जुगरू उम्र 40 वर्ष निवासी शिक्षक नगर अम्बेडकर वार्ड मुंगेली 2.कृष्ण कमल डाहिरे पिता रघुराज उम्र 22 वर्ष निवासी पड़ाव चौक मुंगेली 3.कोमल यादव पिता बालाराम उम्र 22 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 21 खर्रीपारा मुंगेली का रहने वाले बताये जिनका मौके मे उपस्थित गवाहों के समक्ष विधिवत तलाशी लिया गया जिनके कब्जे से 11 पैकेट मे कुल 14.51 ग्राम ब्राउन शुगर मिला जिसे पृथक – पृथक पुछताछ किया गया जो 1.किशोर ध्रुव 2. अमित साहू दोनो निवासी झझपुरी खुर्द थाना जरहागांव के द्वारा फोन पे मे 30000 रूपये रकम डालकर ब्राउन शुगर खरीद कर लाने कहने पर दोनो व्यक्तियों के लिये ब्राउन शुगर खरीद कर लाना बताये। उक्त 14.51 ग्राम ब्राउन शुगर कीमती 65000 रूपये, 03 नग मोबाइल कीमती 40000, घटना मे प्रयुक्त 01 नग मोटरसायकल एन एस पल्सर क्रमांक सीजी 09 जेएफ5822 कीमती 65000 कुल कीमती 1 लाख 70 हजार रूपये को मौके मे जप्त कर आरोपी 1.अजय देवांगन 2.कृष्ण कमल डाहिरे 3. कोमल यादव को विधिवत गिरफ्तार किया गया। मामले मे थाना सिटी कोतवाली मुंगेली मे अपराध क्रमांक 60/26 धारा 21 (ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज कर प्रकरण मे संलिप्त आरोपी 1.किशोर ध्रुव पिता स्व.राजेन्द्र उम्र 36 वर्ष 2. अमित साहू पिता स्व.बाबुराम उम्र 38 वर्ष दोनो निवासी झझपुरी खुर्द थाना जरहागांव को हिरासत मे लेकर पुछताछ करने पर ब्रिकी करने हेतु अजय देवांगन, कृष्ण कमल डाहिरे, कोमल यादव से ब्राउन शुगर मंगाना बताये जिस पर दोनो का 02 नग मोबाइल को जप्त कर दिनांक 18.02.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर सभी आरोपी अजय देवांगन, कृष्ण कमल डाहिरे, कोमल यादव, किशोर ध्रुव, अमित साहू को गिरफ्तारी पश्चात् न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया।

सुशासन की दिशा में निर्णायक पहल : दुर्ग में आईगोट कर्मयोगी प्रशिक्षण से प्रशासनिक कार्यसंस्कृति को नई गति

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सुशासन, पारदर्शिता एवं परिणामोन्मुख प्रशासन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज दुर्ग जिले में आईगोट (द्वत्रह्ल) कर्मयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। सायं 4:00 से 6:00 बजे तक कलेक्टर सभा कक्ष, दुर्ग में आयोजित इस प्रशिक्षण में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, जिला स्तरीय अधिकारियों एवं नामित नोडल अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का आयोजन संभागायुक्त दुर्ग संभाग श्री सत्य नारायण राठौर के मार्गदर्शन में तथा कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अभिजीत सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण सत्र के दौरान अधिकारियों को आईगोट प्लेटफॉर्म की संरचना, भूमिका-आधारित मॉड्यूल, स्व-आकलन प्रणाली तथा डिजिटल शिक्षण की व्यवहारिक उपयोगिता से अवगत कराया गया। सत्र में यह रेखांकित किया गया कि 'मिशन कर्मयोगी' केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रशासनिक कार्यसंस्कृति में सकारात्मक एवं स्थायी परिवर्तन लाने का राष्ट्रीय अभियान है।

गुरू घासीदास रावटी पहाड़ कुरूभाट धाम डोंगरगढ़ में सर्व सहमति से युवराज दास ढिरहेर अध्यक्ष चुने गए

राजनांदगांव (समय दर्शन)। गुरु घासीदास रावटी पहाड़ कुरूभाट धाम डोंगरगढ़ में समाज के उत्थान और नई दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से 15 फरवरी 2026 को सतनाम भवन, कुरूभाट डोंगरगढ़ में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में समाज के पदाधिकारियों और अन्य समाजिक सदस्यों द्वारा चुनाव किया गया, जिसमें सर्व सहमति से युवराज दास ढिरहेर को अध्यक्ष के रूप में चुना गया।

बैठक में समाज के संरक्षक, पदाधिकारी और सदस्यगण उपस्थित थे, जिनमें संरक्षक हर्षिता स्वामी बघेल, परस राय, पंचराम चंदेल, अध्यक्ष युवराज दास ढिरहेर, उपाध्यक्ष मधुसूदन खरे, कोषाध्यक्ष राजकुमार मंडले, सचिव कौलाशनाथ बंजारे, सहसचिव जितेंद्र गेण्डरे और गांवकरण कौसर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बैठक के दौरान कुरूभाट के विस्तार पर भी गहन चर्चा की गई और आगामी समय में समाज के विकास के लिए विभिन्न रचनात्मक कार्यों की योजनाओं पर विचार विमर्श हुआ। बैठक में उपस्थित समाज के लोगों ने नई गतिविधियों को जोड़कर काम करने के लिए अपने विचार साझा किए और भविष्य में और भी सक्रिय प्रयासों की योजना बनाई।

नए अध्यक्ष युवराज दास ढिरहेर को बधाई देते हुए, जिला सतनामी सेवा समिति और ब्लॉक अध्यक्ष पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया और एक मजबूत संकल्प के साथ समाज के कार्यों में समर्पण के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई। अब रावटी पहाड़ कुरूभाट धाम डोंगरगढ़ समाज एक नई दिशा में काम करने के लिए तैयार है और हमेशा तत्पर रहेगा।

समाज में नए अध्यक्ष के नेतृत्व में एक नई ऊर्जा और उद्देश्य के साथ कार्य किए जाने का संकल्प लिया गया।

उक्त जानकारी जिला सतनामी सेवा समिति युवा प्रकोष्ठ राजनांदगांव के जिला अध्यक्ष हरीश सोनवानी ने दी।

ममता दिव्या मानस परिवार बोरदा ने जीता फाइनल प्रतियोगिता

बोरसी में आयोजित अखंड नवधा रामायण का समापन

बिर्रा (समय दर्शन)। नवयुवक नवधा रामायण समीति एवं समस्त ग्रामवासी सहयोगी जनों द्वारा आयोजित अखंड नवधा रामायण समलाई चौक स्कूल पारा बोरसी में आयोजित मानस गायन प्रतियोगिता में 17 मानस मंडली को चयनित किया गया था। जिसमें 14 करनौद,नगझार ,बोरदा सक्ती,बिरगहनी,सेंदूरस,दर्राभाठा,केरा,कोरबा ,उदयभाठा,परसापाली,करही, बसना और पेंढ्री से मानस गायन मंडलियां शामिल हुई। जिसमें अपने गायन, वादन,वाद्ययंत्र और प्रवचन के माध्यम से रामभक्ति की कृपा से प्रथम विजेता होने का गौरव हासिल किया। जिन्हें प्रथम पुरस्कार 15000 रूपए प्रदान किया गया। द्वितीय जीवन ज्योति मानस मंडली सेंदूरस , तृतीय बिरगहनी, चतुर्थ केरा , पंचम दर्राभाठा, षष्ठम नगझर , सप्तम करनौद सहित सभी को नगद राशि से सम्मानित किया गया ।पुरस्कार वितरण समारोह में आचार्य पं जितेन्द्र तिवारी, सरपंच दिनेश कुमार चंद्रा, छेरका राम चंद्रा, रसिया राम चंद्रा, रमेश कुमार

चंद्रा,खोलबहरा चंद्रा, लीलाराम चंद्रा, संतोष कुमार चंद्रा, अर्जुन लाल चंद्रा,सुनील कुमार चंद्रा, सीताराम लाला चंद्रा, लखेश्वर चंद्रा,सरिता चंद्रा मनबोध चंद्रा, धनेश्वर चंद्रा, विजेंद्र पटेल,मनोहर चंद्रा,राधे चंद्रा, राकेश कुमार चंद्रा, मोहनलाल, देवप्रसाद, परमेश्वर,नरेश कुमार,सुनील,सोनू,मेहरलाल, कृष्ण कुमार,छतराम पटेल, सूर्यकांत,सम्मे मांझी, शिवकुमार चंद्रा,शंकर चंद्रा,प्रभाकर,जोईधा राम सहित समस्त ग्रामवासीयों का विशेष सहयोग रहा। अखंड नवधा रामायण में जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू,जिला पंचायत सदस्य एवं सभापति मोहन कुमारी साहू, विधायक प्रतिनिधि गुलाबुद्दीन खां, एकादशिया साहू,सुनील चंद्रा, भाजपा युवा नेता भुवन लाल साहू आदि उपस्थित थे।

सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के उल्लंघन पर कलेक्टर जनदर्शन में स्मरण प्रतिवेदन प्रेषित कर कि सख्त कार्यवाही की मांग

मुंगेली (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत नागरिकों को मिलने वाली जानकारी में अवरोध उत्पन्न होने का मामला सामने आया है। जानकारी प्राप्त करने के लिए दो आवेदन पत्र प्रस्तुत करने वाले नागरिक ने जिला कलेक्टर को एक स्मरण पत्र भेजकर संबंधित अधिकारियों द्वारा उनके आवेदन शुल्क को लेकर की गई असमंजसपूर्ण कार्यवाही पर आपत्ति जताई है।

आवेदक ने बताया कि 09 फरवरी 2026 को उन्होंने विधिवत दो आवेदन पत्र जिला कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत किए थे, जिनमें प्रत्येक आवेदन के साथ ?10/– की शुल्क राशि भी जमा की गई थी। इसके बावजूद, दो दिन बाद उन्हें कार्यालय से बुलाकर कहा गया कि आवेदन शुल्क को वापस ले लिया जाए

और इसके स्थान पर चालान के माध्यम से शुल्क जमा करने की प्रक्रिया पूरी की जाए, साथ ही यह कहा गया कि यह आदेश माननीय कलेक्टर द्वारा दिए गए हैं। आवेदक ने इस निर्णय को सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के खिलाफ बताया, क्योंकि अधिनियम के तहत आवेदन शुल्क नगद, डिमांड ड्राफ्ट, पोस्टल ऑर्डर या चालान के माध्यम से स्वीकार किया जा सकता है, और ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो नगद शुल्क को अस्वीकृत करता हो। उनका कहना है कि इस तरह की प्रक्रिया से नागरिकों को अव्यवस्थित और अनावश्यक कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने अपने पत्र में कलेक्टर महोदय से निवेदन किया है कि संबंधित अधिकारियों को सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए जाएं, ताकि भविष्य में किसी नागरिक को सूचना प्राप्त करने के वैधानिक अधिकार में कोई रुकावट न हो। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि उनके द्वारा प्रस्तुत दोनों आवेदन पत्रों से संबंधित जानकारी को नियमानुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध कराया जाए।

इस पत्र के बाद कलेक्टर कार्यालय में इस मुद्दे पर क्या कदम उठाए जाएंगे, यह देखना दिलचस्प होगा। इस घटना से यह सवाल भी उठता है कि क्या स्थानीय प्रशासन द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है, और क्या नागरिकों को अपने अधिकार प्राप्त करने में कोई रुकावट तो नहीं आ रही है ।इस मामले को लेकर नागरिकों में जागरूकता बढ़ी है, और अब यह देखना होगा कि प्रशासन इस संबंध में सख्त कार्यवाही करता है या नहीं।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय दायित्व को पूरी गंभीरता, सटीकता और संवेदनशीलता के साथ निभाने का किया आह्वान

जनगणना-2027 राष्ट्र निर्माण की आधारशिला : मुख्यमंत्री

रायपुर, 18 फरवरी 2026

भारत की जनगणना-2027 के सफल संचालन के लिए आयोजित राज्य एवं संभाग स्तरीय अधिकारियों के प्रशिक्षण सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, कलेक्टरों एवं प्रशासनिक अधिकारियों से इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व को पूरी गंभीरता, सटीकता और संवेदनशीलता के साथ निभाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2027 की जनगणना स्वतंत्रता के बाद आठवीं जनगणना होगी। जनगणना प्रशासन की विश्वसनीयता और शासन की पारदर्शिता की परीक्षा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि आंकड़े अधूरे या त्रुटिपूर्ण होंगे तो विकास योजनाओं का लक्ष्य प्रभावित होगा। एक भी व्यक्ति या परिवार छूटना नहीं चाहिए, क्योंकि इससे विकास की प्रक्रिया अधूरी रह सकती है। उन्होंने बताया कि जनगणना-2027 भारत की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना होगी। मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल के माध्यम से डेटा संकलन किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी होगी। छत्तीसगढ़ में प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 1 मई से 30 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। यह कार्य प्रदेश के 33 जिलों, 252 तहसीलों और 19,978 गाँवों में संपन्न किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व-गणना की सुविधा से जनभागीदारी बढ़ेगी और जनता का विश्वास ही जनगणना की सफलता का आधार है। यह कार्य विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत-2047 की नींव रखने वाला सिद्ध होगा। प्रशिक्षण सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव श्री विकासशील ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसमें तथ्यों का व्यवस्थित एवं प्रमाणिक

संकलन किया जाता है। उन्होंने अधिकारियों से सभी निर्धारित कार्यों को तय समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने प्रगणकों के प्रशिक्षण में सपोर्टिव सुपरविजन की तकनीक अपनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि मैदानी स्तर पर कार्य करने वाले कर्मियों को निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग मिलना चाहिए, जिससे त्रुटियों की संभावना न्यूनतम हो। उन्होंने नई भवन अनुज्ञाओं को पूर्व से ही ट्रेस करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि मकान सूचीकरण के दौरान कोई संरचना छूट न जाए। साथ ही सीमावर्ती जिलों के संदर्भ में उन्होंने स्वयं के अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा की अन्य राज्यों में चले गए व्यक्तियों की गणना में दोहराव से बचने के लिए विशेष सावधानी बरती जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि जनगणना की सफलता सूक्ष्म योजना, समन्वय और सटीक क्रियान्वयन पर निर्भर करती है, इसलिए सभी अधिकारी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ इस राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन करे।

इस अवसर पर भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त श्री मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा कि जनगणना विश्व के सबसे बड़े प्रशासनिक एवं सांख्यिकीय कार्यों में से एक है। यह हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है और नीति-निर्माण व विकास योजनाओं की दिशा तय करती है। उन्होंने बताया कि भारत में पहली संगठित जनगणना वर्ष 1872 में प्रारंभ हुई थी और आगामी जनगणना देश की 16वीं तथा स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी।

उन्होंने कहा कि 150 वर्षों की परंपरा वाली भारतीय जनगणना गाँव, कस्बा और वार्ड स्तर तक प्राथमिक आँकड़ों का सबसे बड़ा स्रोत है। इसमें मकानों की स्थिति, सुविधाएँ, परिसंपत्तियाँ, जनसांख्यिकीय विवरण, धर्म, अनुसूचित जाति-जनजाति, भाषा, शिक्षा, आर्थिक गतिविधि, प्रव्रजन एवं प्रजनन से संबंधित सूक्ष्म एवं विश्वसनीय आँकड़े संकलित किए जाते हैं।

एनपीसीआई का वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिजिटल भुगतान सुरक्षा जागरूकता की पहल

रायपुर - डिजिटल भुगतान ने वरिष्ठ नागरिकों के दैनिक जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। इससे किराना, दवाइयों या यात्रा बुकिंग जैसे कार्यों के लिए भुगतान करना आसान हो गया है। यह उन्हें आत्मनिर्भर बनाता है, क्योंकि वे छोटी-छोटी दैनिक आवश्यकताओं के लिए परिवार के सदस्यों पर निर्भर हुए बिना स्वयं भुगतान कर सकते हैं। साथ ही, यह अधिक सुरक्षा और नियंत्रण भी प्रदान करता है, क्योंकि नकद रखने की आवश्यकता कम होती है, चोरी या गुम होने का जोखिम घटता है और हर भुगतान का रिकॉर्ड लेन-देन इतिहास में सुरक्षित रहता है।

जैसे-जैसे डिजिटल भुगतान का उपयोग बढ़ रहा है, ठग भी सोशल इंजीनियरिंग के माध्यम से लोगों को धोखा देने के प्रयास बढ़ा रहे हैं। वरिष्ठ नागरिकों को लक्षित करने वाले कुछ सामान्य धोखाधड़ी के तरीके निम्नलिखित हैं - डिजिटल अरेस्ट के अंतरगत ठग खुद को कानून प्रवर्तन अधिकारी बताकर फर्जी आरोपों में गिरफ्तारी की धमकी देते हैं और पैसे या व्यक्तिगत जानकारी साझा करने के लिए दबाव डालते हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि वास्तविक सरकारी या कानून प्रवर्तन एजेंसियां कभी भी फोन या वीडियोकॉल के माध्यम से पैसे नहीं मांगतीं और न ही जांच करती हैं। निवेश धोखाधड़ी में ठग स्वयं को वित्तीय विशेषज्ञ बताकर वरिष्ठ नागरिकों को असाधारण रिटर्न का लालच देते हैं। वे प्रतिष्ठित संगठनों के नाम का दुरुपयोग करते हैं। पैसा मिलने के बाद वे गायब हो जाते हैं। यदि कोई निवेश बहुत अच्छा लग रहा है, तो संभवतः वह धोखाधड़ी है।

फिशिंग/विशिंग घोटाले में इन घोटालों में ई मेल, संदेश या कॉल के माध्यम से बैंक या सरकारी एजेंसियों का रूप धारण कर लॉगिन विवरण, ओटीपी या अन्य संवेदनशील जानकारी हासिल करने की कोशिश की जाती है।

टेक सपोर्ट धोखाधड़ी में ठग स्वयं को किसी तकनीकी कंपनी से बताकर कॉल करते हैं और कहते हैं कि आपके कंप्यूटर में वायरस है। फिर वे ऐसी फाइलें/ऐपडाउनलोड करने को कहते हैं, जिससे उन्हें रिमोट एक्सेस मिल जाता है और वे डेटा चोरी कर सकते हैं या संदेशों को बिना जानकारी के नियंत्रित कर सकते हैं।

रिफंड और पेमेंट लिंक धोखाधड़ी के अंतरगत इस प्रकार की धोखाधड़ी में वरिष्ठ नागरिकों को रिफंड या छूट पाने के नाम पर एक लिंक भेजा जाता है। उस लिंक पर क्लिक करने से वे एक नकली पेज पर पहुंच जाते हैं, जहां उनकी लॉगिन या भुगतान संबंधी जानकारी चोरी कर ली जाती है।

खुद को सुरक्षित रखने के सरल नियम बेहद आसान हैं - कभी भी अपनी संवेदनशील जानकारी जैसे यूपीआई पिन, ओटीपी, पासवर्ड, बैंक खाता विवरण या लॉगिन क्रेडेंशियल साझा न करें। जो भी इनकी मांग करता है, वह धोखाधड़ी कर रहा है। अनजान लिंक पर क्लिक न करें और कॉल करनेवालों या स्वयं को अधिकारी बतानेवाले अजनबियों द्वारा साझा किए गए ऐप इंस्टॉलन करें। स्क्रीन शेयरिंग या रिमोट एक्सेस ऐप का उपयोग अक्सर डेटा चोरी और फोन पर नियंत्रण पाने के लिए किया जाता है। यदि कोई निवेश बहुत अच्छा लग रहा है, तो संभवतः वह धोखाधड़ी है। निवेश करने से पहले सेबी, आरबीआई या अन्य आधिकारिक नियामक वेबसाइट पर संबंधित संस्था की जांच करें।

मुख्यमंत्री ने 'विशाल सतनाम सद्भाव पदयात्रा' का किया शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के मोवा स्थित सतनाम भवन परिसर से विशाल सतनाम सद्भाव पदयात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने धार्मिक विधि-विधान के साथ पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर पावन गिरौदपुरी धाम के लिए रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पवित्र जैतखाम की पूजा-अर्चना कर गुरु घासीदास बाबा का पुण्य स्मरण किया तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने पदयात्रा में शामिल श्रद्धालुओं और सामाजिक बंधुओं से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि गुरु घासीदास बाबा का मनखे-मनखे एक समान का संदेश संपूर्ण मानव समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पदयात्रा समाज में सद्भावना, समरसता और भाईचारे को और सुदृढ़ करेगी। श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा सामाजिक हितों को गति देने हेतु विशेष

प्राधिकरण का गठन भी किया गया है। पदयात्रा के उपरांत विशाल मेले के आयोजन की जानकारी भी उन्होंने दी। कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि यह पदयात्रा सामाजिक समरसता, मानव कल्याण और एकता के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। उन्होंने सभी से सामाजिक भेदभाव और द्वेष से ऊपर उठकर राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास जताया कि यह यात्रा गुरु घासीदास बाबा के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाएगी। कार्यक्रम में धर्मगुरु गुरु श्री बालदास साहेब, विधायक श्री ललित चंद्राकर, विधायक श्री मोतीलाल साहू, फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन, छत्तीसगढ़ रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रहलाद रजक, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नवीन अग्रवाल, संत समाज के प्रतिनिधि एवं सर्व समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। गौरतलब है कि रायपुर से गिरौदपुरी धाम तक प्रस्तावित विशाल सतनाम सद्भाव पदयात्रा का आयोजन 18 से 22 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। पदयात्रा का उद्देश्य सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारा और सद्भाव का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है।

मछली पालन से बदली जिंदगी: लिखमनिया बाई को 10 माह में एक लाख रुपये का शुद्ध लाभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के पेण्ड्रा विकासखण्ड के ग्राम गोढ़ा की श्रीमती लिखमनिया बाई मिन्ज ने मछली पालन व्यवसाय से मात्र 10 महीनों में एक लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित कर सफलता की नई मिसाल पेश की है।

लिखमनिया बाई ने बताया कि सहायक संचालक, मछली पालन विभाग जीपीएम कार्यालय से संपर्क करने पर उन्हें कम जगह में लाईनर पोण्ड बनाकर वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन की सलाह और तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। विभाग के सहयोग और शासन की आर्थिक सहायता से उन्होंने अपनी निजी भूमि पर लाईनर पोण्ड का निर्माण कर व्यवसाय की शुरुआत की। लिखमनिया बाई का कहना है कि इस योजना के माध्यम से वे

आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनी हैं। योजना के अंतर्गत उनकी कुल परियोजना लागत 14 लाख रुपये स्वीकृत हुई, जिसमें से 60 प्रतिशत यानी 8 लाख 40 हजार रुपये की अनुदान राशि सीधे उनके खाते में प्राप्त हुई। लगातार मेहनत और तकनीकी मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप लिखमनिया बाई ने लगभग 10 महीनों में 2 टन मछली का विक्रय किया, जिससे उन्हें 2 लाख 20 हजार रुपये की आय हुई। इसमें से 1 लाख रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित हुआ। वर्तमान में भी उनके तालाब में 8 से 10 क्विंटल मछली भंडारित है, जिसकी बिक्री से उनकी आय में और वृद्धि होगी। छत्तीसगढ़ सरकार का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक ग्रामीण परिवार, विशेषकर महिलाएं, शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगार से जुड़ें और अपनी आय में वृद्धि करें। लिखमनिया बाई की सफलता अन्य ग्रामीणों के लिए प्रेरणास्रोत है।

लक्ष्य प्राप्ति के साथ निरंतरता और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर दिया जोर

निधि छिब्बर ने पिथौरा में की आकांक्षी विकासखंड एवं संपूर्णता अभियान 2.0 की समीक्षा

रायपुर, 18 फरवरी 2026

महानिदेशक नीति आयोग, नई दिल्ली एवं जिले की प्रभारी सचिव श्रीमती निधि छिब्बर ने आज महासमुद के आकांक्षी विकासखंड पिथौरा प्रवास कर विभिन्न विकास योजनाओं एवं संपूर्णता अभियान 2.0 की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, कौशल विकास, महिला एवं बाल विकास, स्वच्छता तथा आधारभूत संरचना से संबंधित योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री हेमंत नंदनवार, नीति आयोग के अपर सचिव श्री सतीश गोस्वामी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीमती छिब्बर ने कहा कि केवल संकेतकों के लक्ष्य को पूर्ण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें निरंतर चलने वाली प्रक्रिया के रूप में अपनाते हुए गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने संबंधितों को निर्देश

दिए कि योजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए और प्राप्त उपलब्धियों को स्थायी परिणामों में बदला जाए। जिले में दुग्ध उत्पादन एवं डेयरी उद्योग की संभावनाओं को देखते हुए पशुपालन विभाग को विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए। साथ ही महिला स्व-सहायता समूहों को आजीविका गतिविधियों से जोड़ने तथा बैंक लिंकेज के माध्यम से सशक्त बनाने पर बल दिया गया। उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करने की आवश्यकता भी रेखांकित की।

बैठक में बताया गया कि 31 दिसंबर 2025 तक जिले में अधिकांश लक्ष्यों की प्राप्ति हो चुकी है। जन्म के समय जीवित शिशुओं के वजन मापन में 100 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई है और कुल 12 हजार 318 नवजात शिशुओं का वजन मापा गया है। क्षय रोग अधिसूचना दर को 81 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके अंतर्गत 1,200 अनुमानित मामलों में से 973 मामलों की पहचान की जा चुकी है। ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस का आयोजन 96.09 प्रतिशत आंगनवाड़ी केंद्रों में किया गया है। जिले के सभी 1 हजार 956 विद्यालयों में बालिकाओं के लिए क्रियाशील शौचालय उपलब्ध हैं, जिससे इस सूचकांक में 100 प्रतिशत लक्ष्य पहले ही प्राप्त कर लिया गया है। पशुपालन क्षेत्र में भी 99.61 प्रतिशत पशुओं का टीकाकरण पूर्ण किया जा चुका है और अप्रैल 2026 तक इसे 100 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

आकांक्षी विकासखंड पिथौरा में संपूर्णता अभियान 2.0 के तहत 28 जनवरी से 14 अप्रैल 2026 तक विभिन्न प्रमुख सूचकांकों में शत-प्रतिशत उपलब्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आईसीडीएस योजना के अंतर्गत 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों को नियमित अनुपूरक पोषण प्रदान करने में 86.77 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई है, जिसमें 16 हजार 800 पात्र बच्चों में से 13 हजार 107 बच्चों को 21 दिनों से अधिक समय तक पोषण आहार दिया गया है। मार्च 2026 तक इसे 95 प्रतिशत तथा अप्रैल तक 100 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य है। आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की माप-तौल की दक्षता 99.86 प्रतिशत दर्ज की गई है। 358 संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों में से 356 में शौचालय सुविधा उपलब्ध है तथा 349 केंद्रों में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। क्षेत्र के 493 विद्यालयों में बालिकाओं के लिए पर्याप्त शौचालय उपलब्ध हैं। पशुधन स्वास्थ्य के क्षेत्र में एफएमडी (खुरपका-मुंहपका) टीकाकरण अभियान के तहत लक्षित 41 हजार 250 गोवंश पशुओं के विरुद्ध 41 हजार 324 पशुओं का टीकाकरण कर 100 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि हासिल की गई है।

संक्षिप्त समाचार

छत्रपति वीर शिवाजी महाराज की जयन्ती 19 फरवरी को

रायपुर। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयन्ती दिनांक 19 फरवरी 2026 गुरुवार को प्रातः 11 बजे रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में राजधानी शहर रायपुर के जी ई मार्ग में तात्यापारा चौक (मेजर यशवंत गोरे चौक) के किनारे स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की अश्वारोही प्रतिमा स्थल के समक्ष उन्हें सादर नमन करने पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। कार्यक्रम में छत्रपति शिवाजी महाराज से सम्बंधित उनके अश्वारोही प्रतिमा स्थल में नियत दिवस को अश्वारोही प्रतिमा स्थल के प्रांगण का संधारण और प्रतिमा स्थल प्रांगण सहित उसके आसपास के क्षेत्र की विशेष सफाई, प्रतिमा स्थल की पुष्प सज्जा सहित आवश्यकतानुसार पेयजल की व्यवस्था रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में रायपुर नगर पालिक निगम के सम्बंधित जोन क्रमांक 2 के सहयोग से की जायेगी। युवा आयोग द्वारा छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित जार्णता राजा का मंचन साइंस कॉलेज मैदान में किया जाएगा। इस नाटक को भव्य तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों का सहयोग लिया जा रहा है।

नाली से गुजरे पाइपलाइन एवं नल कनेक्शन को किया जा रहा शिफ्ट

रायपुर। रायपुर नगर निगम में सभी जोनों के जल विभाग द्वारा नाली से गुजरे पाइपलाइनों एवं घरेलू नल कनेक्शनों का लगातार सर्वे कर शिफ्टिंग का कार्य किया जा रहा है। विभिन्न वार्डों के टेल-एन्ड्स (ञ्झ्ड्डद्बद्य श्वठ्ठस्रह्य) में जल आपूर्ति के दौरान लो-प्रेशर की समस्या के निराकरण के लिए पाइप को बीच से राइडिंग तथा काटकर वॉल्व स्थापित किए जा रहे हैं। रायपुर नगर निगम के जल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शहर के 70 वार्डों में 45 टंकियों से जल वितरण वाहिनी के माध्यम से जलप्रदाय सुनिश्चित की जाती है। जल वितरण पाइपलाइन अधिकतर स्थानों पर सुरक्षित जगहों से प्रत्येक गलियों में सावधानीपूर्वक बिछाई गई है। छोटी-छोटी गलियों एवं एक वार्ड से दूसरे वार्ड में जल वितरण पाइप को बिछाते समय बीच-बीच में छोटी-बड़ी नालियों को क्रॉस करते हुए ले जाने की आवश्यकता पड़ने पर बहने वाली नालियों के नेचुरल-फ्लो को ध्यान में रखते हुए ऊपर उठाकर क्रॉस किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि ऐसी जगहों पर जहां घरेलू कनेक्शन नालियों से गुजरे हैं, वहां विगत 2-3 वर्षों में वृहद अभियान चलाते हुए सभी कनेक्शनों को संबंधित जोनों के जल विभाग के माध्यम से ऊपर किया गया है। अभी भी कुछ स्थानों पर नालियों के नजदीक लगभग 5 किलोमीटर पाइपलाइन को हटाने के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिन्हें जल विभाग के माध्यम से हटाये जाने की कार्यवाही की जा रही है। रायपुर नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बड़े साइज के जल वितरण पाइप्स को केसिंग लगाकर सुरक्षा प्रदान की जा रही है। सभी जोनों में जल बोर्ड की टीमों द्वारा लगातार मॉनिटरिंग कर ऐसे स्थान जहां नाली से होकर गुजरने वाले पाइपलाइनों की शिफ्टिंग की जरूरत है, वहां टीमों को निर्देशित कर विस्तृत सर्वे कर कराकर पाइपलाइनों एवं नल कनेक्शनों की शिफ्टिंग की कार्यवाही की जा रही है।

लक्ष्मी राजवाड़े ने स्वामी कैलाशानंद से लिया आशीर्वाद

रायपुर । महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज रायपुर में परम पूज्य निरंजनी पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज के दिव्य दर्शन कर उनका स्नेहिल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि संत महापुरुषों का सान्निध्य समाज को सेवा, संस्कार और मानव कल्याण के मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। उनके विचार समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं तथा जनसेवा के कार्यों को अधिक समर्पण भाव से करने की शक्ति प्रदान करते हैं। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा हमारी सांस्कृतिक धरोहर की महत्वपूर्ण पहचान है। इस परंपरा को संरक्षित एवं संवर्धित करना हम सभी का दायित्व है।इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा तथा आईएनएच-हरिभूमि के संपादक श्री हिमांशु द्विवेदी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

पक्के घर के साथ सुखबाई खुटे के जीवन में आई नई रोशनी

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए केवल योजना नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षित भविष्य की गारंटी बनकर उभरी है। इस योजना ने देश के लाखों परिवारों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी है जांजगीर चांपा जिले के जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम सेमरा की निवासी श्रीमती सुखबाई खुटे की है। जिनका जीवन इस योजना के कारण खुशहाली से भर गया। श्रीमती सुखबाई खुटे के पति का देहांत कुछ समय पूर्व हो गया था, जिसके बाद परिवार की पूरी जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। परिवार में केवल उनका एक बेटा है। आय का कोई स्थायी साधन न होने के कारण वे मेहनत-मजदूरी करके अपना और बेटे का जीवन यापन करती हैं। श्रीमती सुखबाई अपने बेटे के साथ एक पुराने और जर्जर कच्चे मकान में रहती थीं। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता था, दीवारें कमजोर हो चुकी थीं और घर के गिरने की आशंका बनी रहती थी। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण उनके लिए पक्का मकान बनाना एक असंभव सपना जैसा था। कई बार उन्होंने सोचा कि काश उनका भी एक छोटा सा पक्का घर होता, जहाँ वे सम्मान और सुरक्षा के साथ जीवनयापन कर पातीं, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण यह सपना अधूरा ही नजर आता था। इसी दौरान ग्राम पंचायत के माध्यम से उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की जानकारी मिली। सुखबाई ने पंचायत की मदद से योजना के लिए आवेदन किया। आवश्यक दस्तावेज जमा करने के बाद उनका चयन लाभार्थी के रूप में हो गया। योजना के तहत स्वीकृति मिलने के बाद सुखबाई के जीवन में उम्मीद की एक नई किरण जागी।

संपादकीय

ममता बनर्जी के वकील की भूमिका

एसआईआर गंभीर विसंगतियों से ग्रस्त रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से खामियां दूर करने में कई बार मदद मिली, लेकिन बुनियादी मुद्दे हल नहीं हुए। ममता बनर्जी के वकील की भूमिका अपनाने से भी ऐसा होने की संभावना कम ही है। ममता बनर्जी इस मामले में अनूठी राजनेता हैं कि सत्ता के ऊंचे पदों पर रहने के बावजूद उन्होंने अपनी जूझारू भूमिका कभी नहीं छोड़ी। 15 साल से मुख्यमंत्री हैं, लेकिन इस दौरान उनकी गतिविधियों ने कोलकाता की सड़कों को कभी सियासी तौर पर सूना नहीं होने दिया। इस बीच बुधवार को उन्होंने नया चोला पहना। युवावस्था में ली गई कानून की डिग्री का उपयोग करते हुए वे सुप्रीम कोर्ट में बतौर वकील पेश हुईं। इस तरह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ अपनी लड़ाई को उन्होंने नया मुकाम दिया। इसके पहले पश्चिम बंगाल के उन जीवित मतदाताओं को लेकर वे निर्वाचन आयोग के दफ्तर गई थीं, जिनके नाम कथित तौर पर गलत ढंग से मतदाता सूची से हटाए गए हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री का आरोप है कि निर्वाचन आयोग में उनसे बदसलूकी की गई, इसलिए आनन- फानन में उन्हें वहां से निकलना पड़ा। तो सुप्रीम कोर्ट में अपने खास अंदाज में उन्होंने इस केस की पैरवी की। समाधान क्या निकलेगा, कहना कठिन है। एसआईआर की प्रक्रिया गंभीर विसंगतियों से ग्रस्त रही है। इस कारण भारत की चुनाव व्यवस्था को लेकर अविश्वास बढ़ा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से प्रक्रियागत खामियां दूर करने में कई बार मदद मिली, लेकिन इससे बुनियादी मुद्दे हल नहीं हुए। ममता बनर्जी के वकील की भूमिका अपनाने से इस सूरत में आमूल बदलाव होगा, इसकी संभावना कम ही है। लेकिन अंत तक और हर मोर्चे पर संघर्ष करने के ममता के इरादे ने यह जरूर दिखाया है कि लोकतंत्र के सिकुड़ने का रोना रोने वाले विपक्षी राजनेता ऐसी परिस्थितियों में अपना दायित्व कैसे निभा सकते हैं। लोकतंत्र में किसी समस्या को मुद्दा बना देने और उसे लगातार मुद्दा बनाए रखने का अपना महत्त्व होता है। ऐसा हर उपलब्ध मंच और माध्यम का इस्तेमाल करते हुए ही किया जा सकता है। ममता बनर्जी ने एक समय अपराजेय दिखने वाला लेफ्ट फ्रंट का किला इसी अंदाज से ध्वस्त किया था। अब उसी ढंग से वे अपना किले को बचाने की जद्दोजहद में हैं। यह अंदाज अहम है। इसका महत्त्व चुनावी सफलता या विफलता से तय नहीं होगा।

अमेरिका के साथ व्यापार संधि

हरिशंकर व्यास

लाख टके का सवाल है आज अमेरिका के साथ जिस व्यापार संधि की बात है उसका असल कौन जानता है? क्या कैबिनेट में विचार हुआ? मंत्रियों के समूह, सचिवों के समूह में विचार हुआ? सवाल यह भी है कि अकेले अमेरिका के राष्ट्रपति ने समझौते की घोषणा क्यों की? क्यों फिर एक घंटे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप का आभार जताया, पुष्टि की? साझा घोषणा क्यों नहीं हुई? याद करें इसी तरह ट्रंप ने एकतरफा तरीके से 10 मई 2025 को भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान किया था। उसके आधे घंटे के बाद भारत की ओर से एक मिनट से भी कम की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी, जिसमें सीजफायर की पुष्टि की गई थी। इसी तरह ट्रंप ने ही ऐलान किया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा और यह भी ऐलान किया कि भारत अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। सवाल है जब साझा बयान तैयार नहीं है, समझौते की बातचीत पूरी तरह से फाइनल नहीं हुई है और तत्काल कोई प्रावधान लागू नहीं हो रहा था तो सोमवार, दो फरवरी की देर रात को इसकी घोषणा की क्या जरुरत थी? ध्यान रहे वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि अगले चार पांच दिन में साझा बयान तैयार हो जाएगा और उसकी घोषणा हो जाएगी। इसके बाद एक हफ्ते में भारत पर लगा टैरिफ कम होगा और मार्च के मध्य में 'पहला ट्रांच' यानी समझौते के पहले हिस्से की घोषणा होगी। ऐसे में क्या यह उचित नहीं होता कि जब साझा बयान तैयार हो जाए तभी एक साथ उसकी घोषणा होती? पीयूष गोयल ने कहा है कि साझा बयान पर दस्तखत वर्चुअल तरीके से हो सकता है। जब ऐसा ही होना है तब तो यह और भी अच्छी स्थिति थी कि इंतजार किया जाता और एक साथ समझौते की घोषणा होती! लेकिन आनन फानन में दो फरवरी की रात को सवा नौ बजे के करीब भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात हुई है। उन्होंने लोगों को जुड़े रहने को भी कहा। इसके थोड़ी देर के बाद रात 10 बजे के करीब राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लंबी पोस्ट लिख कर कहा कि भारत के साथ समझौता हो गया। इसके एक घंटे बाद रात 11 बज कर दो मिनट पर प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी पुष्टि की। ध्यान रहे सोमवार को दिन में राहुल गांधी संसद में पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब का अंश लेकर संसद में पहुंचे थे और अपने भाषण में इसे उठाने का प्रयास किया था। हालांकि उनको बोलने नहीं दिया गया लेकिन सबको पता चल गया कि 31 अगस्त 2020 की रात को क्या हुआ था। कैसे भारत के राजनीतिक नेतृत्व ने सेना और सेना प्रमुख को उनके हाल पर छोड़ दिया था। उसी दिन रात में समझौते की खबर आई। लेकिन राहुल गांधी पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ा। वे अगले दिन किताब लेकर संसद में पहुंचे और यह भी कहा कि 'प्रधानमंत्री कंप्रोमाइज्ड हैं'। राहुल ने कहा कि अमेरिका ने एपस्टीन फाइल्स की बहुत सी बातें अभी सार्वजनिक नहीं कीं। उनके मुताबिक एपस्टीन फाइल्स और अडानी के ऊपर मुकदमे की वजह से प्रधानमंत्री दबाव में हैं और इस वजह से समझौता हुआ है। पता नहीं हकीकत क्या है लेकिन सरकार की हड़बड़ी और टाइमिंग पर निश्चित रूप से सवाल खड़े होते हैं। हड़बड़ी की बात इसलिए है क्योंकि समझौते की घोषणा के चार दिन बाद तक किसी को पता नहीं है कि इसमें क्या है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में भी बता दिया है कि समझौता हो गया है और इसमें किसानों, पशुपालकों सहित देश के हर वर्ग के हितों का ख्याल रखा गया है। किसी के हित से समझौता नहीं किया गया है। लेकिन उधर अमेरिका के दौर पर गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि उनको समझौते के बारे में खास जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बारे में वाणिज्य मंत्री जान रहे होंगे।

बंगाल का भविष्य : धर्म की लहर या प्रगति की राह?

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा भले अभी बाकी हो, पर राजनीतिक रणभेरी बज चुकी है। इस बार संकेत साफ हैं-चुनाव विकास बनाम विकास के दावे पर नहीं, बल्कि पहचान, अस्मिता और धर्म की ध्वजा के इर्द-गिर्द घूम सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य भर में प्रस्तावित हिंदू सम्मेलनों को भारतीय जनता पार्टी एक वैचारिक उत्सव भर नहीं, बल्कि चुनावी अवसर में बदलने की रणनीति पर आगे बढ़ती दिख रही है। दूसरी ओर ममता बनर्जी ने भी यह समझ लिया है कि यदि चुनाव की जमीन धार्मिक विमर्श पर खिसकती है तो उसे खाली नहीं छोड़ा जा सकता। कोलकाता के न्यू टाउन में 'दुर्गा आंगन' का शिलान्यास और उसे बंगाली अस्मिता से जोड़ने का प्रयास इसी रणनीतिक सजगता का हिस्सा है।

बंगाल की राजनीति लंबे समय तक वर्ग-संघर्ष, वाम वैचारिकी और सामाजिक न्याय के नारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। लगभग तीन दशक तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में रहा। उससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व था। किंतु 2011 में सत्ता परिवर्तन के साथ एक नई धुरी बनी-तृणमूल बनाम भाजपा। आज स्थिति यह है कि वाम और कांग्रेस हाशिए पर हैं और मुकाबला दो ध्रुवों के बीच सिमट चुका है। यही द्विध्रुवीयता चुनाव को अधिक तीखा और अधिक पहचान-केन्द्रित बना रही है। भाजपा का अभियान चार प्रमुख सूत्रों पर टिका है-बंगाल में हिंदू खतरे में है, बांग्लादेशी घुसपैठ, महिलाओं की असुरक्षा और भ्रष्टाचार। सीमावर्ती जिलों का उदाहरण देकर यह संदेश गढ़ा जा रहा है कि जनसांख्यिकीय संतुलन बदल रहा है। अवैध घुसपैठ का प्रश्न नया नहीं है, पर उसे इस समय राजनीतिक ऊर्जा के साथ जोड़ा जा रहा है। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना, शिक्षक भर्ती घोटाले, हिन्दुओं पर बढ़ते अत्याचार एवं भ्रष्टाचार जैसे प्रसंगों को शासन की विफलता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। भाजपा का लक्ष्य स्पष्ट है-70 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं में एक साझा असुरक्षा-बोध निर्मित करना, हिन्दुओं को जागृत करना और उसे मतदान व्यवहार में रूपांतरित करना। आज बंगाल में विकास की सबसे बड़ी बाधा घुसपैठियों का बढ़ना है। घुसपैठियों पर विराम लगाना चाहिए न कि इस मुद्दे पर राजनीति हो।

ममता बनर्जी की चुनौती दोहरी है। एक ओर उन्हें यह संदेश देना है कि वे अल्पसंख्यकों की संरक्षक हैं, दूसरी ओर हिंदू मतदाताओं को यह विश्वास भी दिलाना है कि उनकी आस्था और अस्मिता सुरक्षित है। 2021 के चुनाव में जब भाजपा ने 'जय श्रीराम' के नारे को आक्रामक रूप से उछाला, तब ममता ने 'जय मां दुर्गा' और 'चंडी पाठ' के माध्यम से एक सांस्कृतिक प्रत्युत्तर दिया था। इस बार वे दुर्गा आंगन जैसे प्रतीकों के जरिए यह संकेत दे रही हैं कि बंगाली हिंदू पहचान भाजपा की बपौती नहीं है। वे धर्म को राष्ट्रवाद की बजाय क्षेत्रीय अस्मिता के साथ जोड़ती हैं-बंगाल अपनी संस्कृति से हिंदू है, पर उसकी राजनीति बहुलतावादी है-यह उनका अंतर्निहित संदेश है। इसी बीच मुर्शिदाबाद में पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर द्वारा 'बाबरी मस्जिद' के शिलान्यास की पहल ने नई जटिलता जोड़ दी है। इससे मुस्लिम मतदाताओं के भीतर एक अलग ध्रुवीकरण की संभावना पैदा हुई है। यदि मुस्लिम वोटों का बंटवारा होता है, तो तृणमूल का गणित प्रभावित हो सकती है। 2021 में उसे लगभग 48 प्रतिशत वोट और 223 सीटें मिली थीं-जिसमें मुस्लिम मतों का एकमुश्त समर्थन निर्णायक था। भाजपा 38 प्रतिशत वोट के साथ 65 सीटें जीतकर मुख्य विपक्ष बनी। ऐसे में यदि मुस्लिम मत 5-10 प्रतिशत भी इधर-उधर खिसकते हैं, तो कई सीटों का परिणाम बदल सकता है और भाजपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में आ सकती है।

यहां प्रश्न केवल गणित का नहीं, राजनीति के चरित्र का भी है। क्या बंगाल का चुनाव धार्मिक पहचान के उभार का प्रयोगशाला बनेगा? या यह प्रयोग अंततः विकास, रोजगार और बुनियादी ढांचे के प्रश्नों पर लौटेगा? विडंबना यह है कि जिस बंगाल को कभी देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता था-जहां से उद्योग, शिक्षा और सांस्कृतिक नवजागरण की रोशनी फैलती थी, वह आज अधूरे प्रोजेक्ट्स, धीमी औद्योगिक गति और रोजगार के पलायन से जूझ रहा है। कोलकाता की सड़कों पर अधूरी मेट्रो लाइनें और बंद कारखानों की चुप्पी विकास की उस कहानी को बयान करती हैं, जो राजनीतिक नारों के शोर में दब जाती है। 2011 में टाटा के नैनो प्रोजेक्ट का राज्य से बाहर जाना एक प्रतीकात्मक मोड़ था। भूमि अधिग्रहण के प्रश्न पर जनसमर्थन पाने वाली राजनीति ने उद्योग के प्रति संशय का वातावरण भी बनाया। पंद्रह वर्षों बाद भी बंगाल बड़े निवेश की प्रतीक्षा में है। युवा रोजगार के लिए बाहर जा रहे हैं, और कई राज्यों में उन्हें 'बांग्लादेशी' कहकर अपमानित किए जाने की खबरें आती हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, आत्मसम्मान का प्रश्न भी है। किंतु चुनावी विमर्श में यह पीड़ा गौण हो जाती है, और केंद्र में आ जाता है-धर्म, पहचान और भय।

ममता बनर्जी केंद्र सरकार पर वित्तीय भेदभाव का आरोप लगाती हैं; भाजपा राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का। सी.बी.आई. और ई.डी. की कार्रवाइयों को ममता राजनीतिक प्रतिशोध बताती हैं, जबकि भाजपा उन्हें कानून का पालन। इस टकराव ने प्रशासनिक संवाद को भी राजनीतिक संघर्ष में बदल दिया है। परिणाम यह है कि विकास का एजेंडा आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ जाता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या धर्म-आधारित ध्रूवीकरण स्थायी राजनीतिक समाधान दे सकता है? इतिहास बताता है कि धार्मिक उभार अल्पकालिक ऊर्जा तो देता है, पर दीर्घकालिक शासन-क्षमता की कसौटी पर उसे विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के प्रश्नों से जूझना ही पड़ता है। यदि चुनाव केवल कौन किसका प्रतिनिधि है तक सीमित रह गया, तो कौन क्या करेगा का प्रश्न अनुत्तरित रह जाएगा।

बंगाल की आत्मा बहुलतावाद में रही है-रामकृष्ण परमहंस से लेकर रवींद्रनाथ तक, यह भूमि विविध आस्थाओं और विचारों का संगम रही है। यहां दुर्गा पूजा और मुहर्रम दोनों सामाजिक उत्सव का रूप लेते रहे हैं। यदि राजनीति इस सामाजिक ताने-बाने को चुनावी अंकगणित में बदल देगी, तो समाज की संवेदनशीलता पर चोट पहुंचेगी। दूसरी ओर, यदि धार्मिक प्रतीकों का उपयोग सांस्कृतिक आत्मगौरव के साथ विकास-प्रतिबद्धता को जोड़ने में किया जाए, तो वह सकारात्मक भी हो सकता है। इस चुनाव में भाजपा की रणनीति हिंदू मतों का अधिकतम ध्रूवीकरण है; ममता की रणनीति हिंदू पहचान को बंगाली अस्मिता के साथ समाहित कर अल्पसंख्यकों के विश्वास को बनाए रखना है। मुस्लिम दलों की सक्रियता तृणमूल के लिए चुनौती है, पर वह भाजपा के लिए अवसर भी है। यह त्रिकोणीय-संभावना चुनाव को जटिल बनाती है। परंतु अंततः लोकतंत्र की परिपक्वता मतदाता तय करता है। यदि बंगाल का मतदाता विकास, रोजगार और सुशासन को प्राथमिकता देता है, तो राजनीतिक दलों को अपना विमर्श बदलना होगा। यदि वह पहचान की राजनीति को स्वीकार करता है, तो वही भविष्य की दिशा बनेगी। प्रश्न केवल यह नहीं कि कौन जीतेगा; प्रश्न यह है कि जीत का एजेंडा क्या होगा?

क्या धर्म के आधार पर लड़ा गया चुनाव सार्थक मूल्य स्थापित कर पाएगा? या यह राज्य को और अधिक वैचारिक खाइयों में धकेल देगा? बंगाल की धरती ने अनेक बार भारत को नई वैचारिक दिशा दी है। आज फिर अवसर है-या तो वह धर्म बनाम धर्म की बहस में उलझे, या धर्म को नैतिकता और विकास की प्रेरणा बनाकर नई राजनीति की राह खोले। चुनाव परिणाम चाहे जो हो, असली कसौटी यही होगी कि क्या बंगाल अपनी आर्थिक ऊर्जा, सांस्कृतिक उदारता और सामाजिक समरसता को पुनः प्राप्त कर पाता है। यदि नहीं, तो धर्म की ध्वजा चाहे जितनी ऊंची फहराई जाए, विकास का शून्य अंततः सबको दिखाई देगा।

सड़कें व्यापार के लिए नहीं पर सड़कों पर व्यापार होता है

सुनील दास

सब जानते हैं शहर की सड़कें ठेला लगाकर,सड़क किनारे कब्जा कर दुकान का सामान रख कर व्यापार करने के लिए नहीं है।सड़कें जनता के चलने के लिए हैं।लेकिन कोई मानता नहीं है सब सड़क पर वह सब काम करते हैं जिससे उनको सुविधा होती है।कोई समझता है कि सड़क है तो उसके दुकान का सामान बाहर रखने के लिए है,कोई चाय,नाश्ता ठेला लगाता है तो वह समझता है कि सड़क तो उसके ठेला रखने के लिए बनाई गई है। कोई समझता है कि सड़के बनाई इसलिए गई है कि वह अपनी कार व दुपहिया सड़क पर खड़ी कर सकें। सड़कें चौड़ी इसीलिए बनाई जाती हैं लोग आसानी से कहीं जाना है तो समय पर पहुंच सके लेकिन सड़कों का उपयोग चलने से ज्यादा दूसरों कामों में ज्यादा किए जाने से हर सड़क दिन के वक्त किसी मोहल्ले की संकरी गली जैसी हो जाती है और उस पर कई जगह इसी वजह से जाम लगता है,जाम में फंसे लोग कहीं समय पर पहुंच नहीं पाते हैं। सड़क पर जाम से आए दिन परेशान रहने वाले लोगों को अच्छा लगता है जब पुलिस व नगर निगम की टीम दिन के वक्त संकरी सड़कों को चौड़ी करने के लिए लावलश्कर के साथ उतरती है।सड़क किनारे दुकान का सामान जब्त करती हैं, दुकान के शेड़ को तोड़ती है।ठेलों व फुटपाथ पर व्यापार करने वालों का सामान जब्त करती है। एक दिन मौदहापारा मे,दूसरे दिन मालवीय रोड़, बैजनाथ पारा, एवरग्रीन चौक आदि से अवैध कब्जा हटाया जाता है।सड़क एक दो दिन चौड़ी दिखती है, लोगों को दिखता है कि हमारे शहर की सड़के तो चौड़ी है,यह हमेशा इतनी चौड़ी क्यों नही रहती हैं । वह इसलिए नहीं रहती हैं क्योंकि दूसरे दिन ही सबकुछ पहले जैसा हो जाता है, लोग फिर से सड़क पर कब्जा कर अपना काम करने लगते हैं। निरंतर सख्ती नहीं किए जाने से हमारे शहर में सड़क पर कब्जा करके अपनी सुविधा का काम करना सबसे आसान है। बरसों से यही होता आ रहा है कि नगर निगम व पुलिस की टीम साल में एक दो बार अवैध कब्जों को हटाने का काम करते हैं उसके बाद वह कुछ नहीं करती हैं तो इससे लोगों को लगता है कि वह सड़क पर महीनों कुछ भी कर सकते हैं।कोई महीनों ठेला लगा सकता है, कोई महीनों कार खड़ी कर सकता है,कोई दुकान की सामने की जगह किसी को धंधा करने के लिए दे सकता है।इसके लिए पुलिस व निगम प्रशासन भी उतना ही दोषी जितने दोषी सड़क पर कब्जा करने वाले है। वह एक दो दिन सख्ती करते है, उसके बाद सख्ती करना भूल जाते हैं। सड़क को साल भर चौड़ी बनाए रखना उनकी जिम्मेदारी है लेकिन वह एक दो ही सड़क को चौड़ी रख पाते हैं।सड़क को संकरी रखने से किसी को यदि पैसा मिलता है तो वह सड़क चौड़ी करने का काम करके अपना नुकसान कैसे कर सकता है। सड़क पर जो धंधा करते हैं वह अपने लिए तो पैसा कमाते ही हैं, वह उन लोगों के लिए पैसा कमाते हैं जो उनको सड़क पर धंधा करने देते हैं। सड़कें लोगों के चलने के लिए हैं तो कुछ लोगों के लिए कमाई का जरिया भी हैं। किसी मोहल्ले में कोई मंत्री,विधायक या महापौर हो जाए तो उस मोहल्ले के लोगों को लगता है कि मोहल्ले की सड़क भी हमारे मंत्री,विधायक व महापौर की है। मोहल्ले की सड़क का हम जैसा चाहे वैसा उपयोग कर सकते हैं।

महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा बदलाव होगा

अजीत द्विवेदी

अजित पवार के निधन से महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा बदलाव होगा। ऐसा होना न तो अनायास होगा और न आश्चर्यजनक होगा। आमतौर पर इतने बड़े नेता का जब भी असमय निधन होता है या उसके साथ कोई हादसा होता है तो राजनीति बदलती है। कई राज्यों में इसके प्रमाण मिल जाएंगे। अरुणाचल प्रदेश में हेलीकॉप्टर हादसे में तत्कालीन मुख्यमंत्री दोरजी खांडू के निधन के बाद अरुणाचल की राजनीति हमेशा के लिए बदल गई। कलिखो पुल थोड़े दिन मुख्यमंत्री रहे और बाद में उन्होंने कई गंभीर आरोप लगाने के बाद खुदकुशी कर ली थी। दोरजी खांडू के बेटे पेमा खांडू ने पहले अलग पार्टी बनाई और फिर पार्टी का भाजपा में विलय करके भाजपा के मुख्यमंत्री बन गए। अरुणाचल प्रदेश, जहां कांग्रेस का इतना मजबूत आधार था वहां वह पूरी तरह से खत्म हो गई।

इसी तरह आंध्र प्रदेश में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में तत्कालीन मुख्यमंत्री वाईएसआर रेड्डी का निधन हुआ तो पूरी राजनीति बदल गई। वे संयुक्त आंध्र प्रदेश के आखिरी क्षत्रप साबित हुए। उनके निधन के बाद कांग्रेस ने उनके बेटे जगन मोहन रेड्डी को सीएम नहीं बनाने की जिद में किरण रेड्डी और के रोसैया का प्रयोग किया और अंत में राज्य का विभाजन हुआ। विभाजन के बाद आंध्र प्रदेश में कांग्रेस का अस्तित्व पूरी तरह से समाप्त हो गया। 2014 से लेकर अभी तक तीन लोकसभा और तीन विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का खाता नहीं खुल पाया है। अलग हुए राज्य तेलंगाना में 10 साल के बाद जरूर कांग्रेस लौटी लेकिन आंध्र प्रदेश में कोई संभावना नहीं दिख रही है।

मध्य प्रदेश में माधवराव सिंधिया के विमान दुर्घटना में निधन के बाद पिछले करीब 25 साल में कांग्रेस सिर्फ एक बार बहुमत के करीब पहुंच पाई है और उस समय भी सिर्फ सवा साल की ही सरकार बनी। राजीव गांधी के निधन के बाद की राष्ट्रीय राजनीति का सबको पता है। कांग्रेस की राजनीति में कैसी उथलपुथल रही वह भी सबको पता है। भारतीय राजनीति के इतिहास की इस पृष्ठभूमि में जब अजित पवार के विधन को देखते हैं तो साफ दिखाई देता है कि महाराष्ट्र की राजनीति में बहुत सी चीजें बदल सकती हैं। मौजूदा सरकार और राजनीति दोनों का शक्ति संतुलन प्रभावित होगा। अजित पवार एक संतुलनकारी ताकत के तौर पर महाराष्ट्र की राजनीति में मौजूद थे।

इसमें संदेह नहीं है कि उनकी पार्टी रहेगी लेकिन उनके जैसी राजनीति करने वाला कोई नहीं होगा। 2024 के विधानसभा चुनाव में जब भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने 235 सीटों का प्रचंड बहुमत हासिल किया तब भी सरकार का गठन कई दिनों तक अटका रहा था। एकनाथ शिंदे नाराजगी दिखा रहे थे। उस समय भी ब्रेक थ्रू अजित पवार ने दिया था। देवेंद्र फड़नवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब एक पत्रकार ने शिंदे से पूछा, 'क्या आप उप मुख्यमंत्री बनेंगे'? वे कुछ बोलते उससे पहले अजित पवार ने कहा, 'एकनाथ शिंदे का पता नहीं हैं लेकिन मैं शपथ ले रहा हूं'। इसके बाद अपने आप सारा खेल बदल गया था।

अजित पवार एक तरफ से देवेंद्र फड़नवीस की राजनीति के लिए कवच का काम कर रहे थे। फड़नवीस के साथ उन्होंने एक बार 80 घंटे की सरकार भी बनाई थी। उससे भी पता चलता है कि दोनों के बीच केमिस्ट्री कैसी थी। अब फड़नवीस की राजनीति का वह कवच हट गया है। उन्हें अब अकेले पार्टी के अंदर के संघर्ष का मुकाबला करना होगा और पार्टी के बाहर गठबंधन की राजनीति यानी एकनाथ शिंदे के दांवपेंच का भी मुकाबला अकेले करना होगा। फड़नवीस चाहेंगे कि अजित पवार की पार्टी की कमान ऐसे व्यक्ति के हाथ में हो, जिसके साथ वे सहजता से सारी बातें कर सकें। अजित पवार के परिवार से कौन फड़नवीस के साथ उप मुख्यमंत्री बनता है और बारामती की सीट से कौन उपचुनाव लड़ता है इससे बहुत कुछ तय होगा।

जहां तक अजित पवार की पार्टी का सवाल है तो उनके सामने कई विकल्प हैं। एक विकल्प तो यथास्थिति का है। लेकिन नेता के नहीं होने पर यथास्थिति संभव नहीं होती है। इसके बावजूद पार्टी के पास स्वतंत्र राजनीति का रास्ता है। अगर अजित पवार की पार्टी अपना स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखती है तो उसके लिए अच्छा होगा लेकिन उसके लिए जरूरी है कि कोई मजबूत नेता पार्टी की कमान संभाले। ऐसा नेता, जो भाजपा के साथ गठबंधन में रहते हुए भी उसे आंख दिखा सके और जरुरत पड़ने पर भाजपा को रोकने के लिए उसकी विरोधी पार्टी से भी तालमेल कर सके। ध्यान रहे अजित पवार ने शहरी निकाय चुनाव में शरद पवार की पार्टी से तालमेल किया था। इस तरह की स्वतंत्र राजनीति सबसे अच्छा विकल्प है। दूसरा विकल्प शरद पवार का नेतृत्व स्वीकार करने और दोनों एनसीपी के विलय का है। कहा जा रहा है कि अजित पवार कुछ समय से इसकी तैयारी कर रहे थे। अगर उन्होंने कोई रूपरेखा बनाई हो तब इस रास्ते पर जाना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

लेकिन तब भी यह सवाल रहेगा कि नेता कौन होगा? जाहिर तौर पर 85 साल के शरद पवार तो नेता नहीं हो सकते हैं। फिर कौन? सुप्रिया सुले, सुनेत्रा पवार, पार्थ व जय पवार में से कोई या रोहित व युगेंद्र पवार में से कोई या परिवार से बाहर के सुनील तटकरे, प्रफुल्ल पटेल और धनंजय मुंडे? एक तीसरा विकल्प अपनी स्वतंत्रता से समझौता करके भाजपा की शरण में जाने का है। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार अपने दोनों युवा बेटों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह रास्ता चुन सकती हैं। एक बार चुनाव लड़ चुके पार्थ पवार राज्य सरकार में शामिल हों और सुनेत्रा खुद केंद्र की सरकार में मंत्री बनें। यह स्थिति देवेंद्र फड़नवीस के भी अनुकूल हो सकती है।

जो हो इतना तय है कि अजित पवार के अचानक महाराष्ट्र के राजनीतिक क्षितिज से चले जाने से प्रदेश की राजनीति का लैंडस्केप भी पूरी तरह से बदलेगा। भारतीय जनता पार्टी इसमें अपने विस्तार की संभावना देख रही होगी। ध्यान रहे जब शिव सेना एकजुट थी और एनसीपी भी एकजुट थी तब भाजपा अपना विस्तार उन इलाकों में करना चाहती थी, जहां उसका मजबूत आधार नहीं था। लेकिन दो मजबूत प्रादेशिक पार्टियों की वजह से वह ऐसा नहीं कर पा रही थी। तभी उसने शिव सेना में विभाजन को डिजाइन किया और एनसीपी का विभाजन भी प्लान किया। दोनों पार्टियों के बंटने और कमजोर होने के बाद के पहले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अकेले 132 सीटें जीतीं।

उसके बाद पहले स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा ने प्रदेश भर में ग्रामीण व शहरी इलाकों में 50 फीसदी सीटें हासिल की। शिव सेना के असर वाले इलाकों यानी महाराष्ट्र मेट्रोपोलिटन रीजन, एमएमआर में मुंबई उसने एक तरह से कब्जा कर लिया और ठाणे को छोड़ कर कल्याण डोंबिवली व उल्हासनगर में वह शिंदे सेना की बराबरी में रही। एमएमआर और कोंकण दोनों इलाके में उद्धव की पार्टी हाशिए पर चली गई। ऐसे ही पुणे, पिंपरी चिंचवाड़ और परभणी में शरद व अजित पवार के एक साथ लड़ने पर भी भाजपा ने उनको हरा दिया। विदर्भ में पहले से भाजपा का मजबूत आधार है। अब अजित पवार के नहीं रहने के बाद भाजपा पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में अपना आधार बढ़ा सकती है। वह दोनों शिव सेना और दोनों एनसीपी को समाप्त करके या बहुत कमजोर करके महाराष्ट्र की राजनीति में अपनी निर्णायक बढ़त स्थापित कर सकती है।

शरद पवार इस स्थिति को समझ रहे होंगे और वे परिवार के भीतर भाजपा की विस्तारवादी राजनीति से होने वाले संभावित नुकसान पर बात भी करेंगे। उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे को भी भाजपा की इस राजनीति का अंदाजा होगा। परंतु इन चारों प्रादेशिक पार्टियों के क्षत्रपों को यह भी अंदाजा होगा कि वे अकेले दम पर भाजपा की इस राजनीति का मुकाबला नहीं कर पाएंगे। महाराष्ट्र की राजनीति में एक खालीपन कांग्रेस के कमजोर होने से भी है। कांग्रेस के पास अगर विलासराव देशमुख जैसा कोई करिश्माई और मजबूत नेता होता तो वह भाजपा विरोधी पार्टियों को एक मंच पर लाने का प्रयास कर सकता था। बहरहाल, अगले कुछ दिन महाराष्ट्र की राजनीति में उथलपुथल के रहेंगे और जब अजित पवार के असमय व दुखद निधन से उठा तूफान थमेगा तब दीर्घकालिक राजनीति की तस्वीर बननी शुरू होगी।

महिलाओं के लिए मांसपेशियों का हेल्दी होना क्यों है जरूरी

ज्यादातर लोग मानते हैं कि मसल्स यानी मांसपेशियां बनाने का काम सिर्फ बॉडी बिल्डर्स का होता है, जबकी हकीकत इसके ठीक विपरित है। मनुष्य की शारीरिक बनावट ऐसी है कि उसमें मसल्स और हड्डियों की उचित मात्रा होती है और तंदुरुस्त मांसपेशियों से अनेक फायदे होते हैं, फिर चाहे वह पुरुष हों या महिला। ज्यादातर महिलाएं अपनी मसल्स के प्रति लापरवाही बरतती हैं जिससे बाद में उन्हें कई तरह की दिक्कतें और बीमारियों का सामना करना पड़ता है।

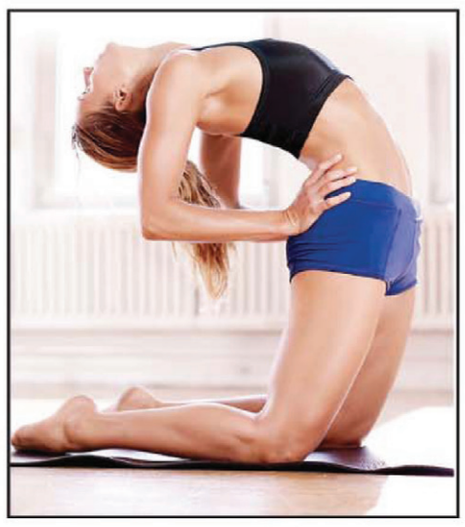

25 की उम्र से मांसपेशियां खराब होनी शुरू होती हैं
आपकी मांसपेशियों की सेहत 25 वर्ष की उम्र में खराब होना शुरू हो सकती है जिसके कारण आप पर चोट और अन्य बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। मांसपेशियों को सुगठित करने से शरीर में मजबूती आती है और दैनिक कामकाज, जैसे- काम के संदर्भ में सफर करना, बच्चों के साथ खेलकूद करना, राशन या भारी सामान उठाकर चलना आदि आसान हो जाता है। साथ ही आपका संतुलन और फुर्ती बढ़ती है, जिससे आप गिरने और चोटिल होने से बची रहती हैं।

कामकाजी महिलाओं का पॉस्चर बिगड़ने का खतरा
कामकाजी महिलाओं के मामले में, मांसपेशियों का मजबूत और हेल्दी होना ज्यादा जरूरी होता है क्योंकि काम के दबाव और समय के साथ शारीरिक पॉश्चर बिगड़ सकता है। इससे आपकी रीढ़ की हड्डी, कन्धे, कूल्हों और घुटनों पर काफी बुरा असर पड़ता है जिससे शरीर में अनेक प्रकार की संरचनागत खराबी पैदा हो सकती है। इससे पीठ और जोड़ों में दर्द, शरीर की लोच में कमी और मांसपेशियों में कमजोरी हो सकती है।

फैट और कैलरी नष्ट करने का जरिया

किसी महिला की रेस्टिंग मेटाबॉलिक रेट यानी निष्क्रिय बैठे रहने पर नष्ट की गयी कैलरी की मात्रा का निर्धारण इस बात से होता है कि उसकी मांसपेशी कितनी पतली है। रोजाना के आधार पर एक पॉन्ड चर्बी की तुलना में एक पॉन्ड मांसपेशी तीन गुणा ज्यादा कैलरी नष्ट करती है। जिनके शरीर में अधिक मांसपेशी पिंड होता है, वह निष्क्रिय अवस्था में उतनी ही ज्यादा कैलरी नष्ट करतीं है। मतलब यह कि, आप महज अच्छी नींद के द्वारा ज्यादा फैट और कैलरी नष्ट कर सकती हैं। जो चुस्त-दुरुस्त और आकर्षक दिखना चाहतीं हैं, उन्हें पतली मांसपेशियां बनानी चाहिए चूंकि चर्बी को ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, इसलिए मेहनत करने से चर्बी का नाश होता है।

40-50 की उम्र के बाद मांसपिंड में कमी

कोई महिला जब 30 की उम्र पार करती है, तब उसकी हड्डियों का क्षरण आरम्भ होने लगता है। इसी प्रकार 40-50 की उम्र के बाद स्त्रियों का मांसपिंड कम होने लगता है। अक्सर इसकी जगह चर्बी आ जाती है क्योंकि चयापचयी क्रिया यानी मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। इस वक्त वजन बढ़ाने और मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाले व्यायामों से न केवल मांसपेशियों की मजबूती और वजन सही बनाए रखने में मदद मिलती है, बल्कि अस्थिपिंड सुगठित होता है, जोड़ एवं संधि ऊतक मजबूत बनते हैं और हड्डी का क्षरण कम होता है। इन सभी से बाद में ऑस्टियोपोरोसिस होने का खतरा कम होता है। इसलिए, शक्तिवर्द्धक व्यायाम से संकोच न करें।

प्रोटीन की शक्ति

प्रोटीन मांसपेशी के आहार का राजा है। शरीर प्रोटीन को एमिनो एसिड्स में विखंडित कर देता है और मांसपेशी बनाने में उनका उपयोग करता है। किन्तु, उम्र बढ़ने के साथ-साथ प्रोटीन को विखंडित संश्लेषित करने की क्षमता घटती जाती है। इसलिए, शक्तिवर्द्धक व्यायाम करने वाली अधिक उम्र की वयस्क महिलाओं के लिए शरीर के प्रति किलोग्राम वजन पर 1.1 ग्राम से 1.3 ग्राम प्रोटीन की रोजाना जरुरत होती है। पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं के लिए नष्ट हो चुकी मांसपेशी को वापस पाना ज्यादा कठिन होता है। इसलिए सही अनुपात में सभी पोषक तत्वों के साथ संतुलित आहार लेना आवश्यक है। चर्बी को संतुलित रखने के साथ पर्याप्त मात्रा में अच्छी क्वॉलिटी के प्रोटीन से बेहतर मेटाबॉलिज्म में मदद मिलती है।

किशमिश खाने के बेमिसाल फायदे

किशमिश एक ऐसा ड्राई फ्रूट है जो दूसरे ड्राई फ्रूट्स की तुलना में सस्ता होता है और यही इसकी लोकप्रियता का प्रमुख कारण भी है। किशमिश का इस्तेमाल न केवल मीठे व्यंजनों में किया जाता है बल्कि कई जगहों पर तो इसे चाट में भी डालकर सर्व किया जाता है। इसका खट्टा-मीठा स्वाद हर डिश को स्पेशल बना देता है लेकिन क्या आपने कभी इसके फायदे जानने की कोशिश की है? किशमिश खाने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसके नियमित सेवन से शरीर में खून की कमी नहीं होती। ये वजन घटाने में मददगार है, एनर्जी लेवल को बूस्ट करने और विटामिन सी की आवश्यकता को पूरा करने में मददगार है।

अगर आप भी रोज नट्स और किशमिश खाते हैं, तो अच्छी बात है। मगर क्या आपको पता है कि अगर आप किशमिश को रात में भिगोकर खाते हैं, तो यह ज्यादा फायदेमंद हो जाता है। अगर आप रोजाना सिर्फ 10 किशमिश के दानों को रात में भिगोकर सुबह खाएं, तो इससे कई तरह के रोगों और बीमारियों से बचाव होगा। साथ ही सेहत भी बेहतर होगी। एक नजर इसके फायदों पर-

किशमिश खाने का सबसे अच्छा तरीका है कि इसे रात में पानी में भिगोकर रख दें और सुबह फूल जाने पर खाएं और किशमिश के पानी को भी पी लें। भीगी हुई किशमिश में आयरन, पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नेशियम और फाइबर भरपूर होता है। इसमें मौजूद शुगर प्राकृतिक होती है इसलिए सामान्यत: इसका कोई नुकसान नहीं होता है मगर डायबीटीज के मरीजों को किशमिश नहीं खानी चाहिए। किशमिश वास्तव में सूखे हुए अंगूर होते हैं। ये कई रंगों में मौजूद होत हैं मसलन गोल्डन, हरा और काला। इसके अलावा आप कई सब्जियों के स्वाद को बेहतर बनाने के लिए भी किशमिश का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बढ़ेगी रोगों से लड़ने की क्षमता

रात में भीगी हुई किशमिश खाने और इसका पानी पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सिडेंट्स के कारण इम्यूनिटी बेहतर होती है जिससे बाहरी वायरस और बैक्टीरिया से हमारा शरीर लड़ने में सक्षम होता है और ये बैक्टीरिया शरीर में प्रवेश नहीं कर पाते हैं।

बीपी भी रहता सामान्य

रात को भिगोयी हुयी किशमिश वैसे तो सभी के लिए फायदेमंद है मगर इसका लाभ उन लोगों को मिल सकता है, जो हाई ब्लड प्रेशर यानी हाइपरटेंशन से परेशान हैं। किशमिश शरीर के ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करती है। इसमें मौजूद पोटैशियम तत्व आपको हाइपरटेंशन से बचाता है।

शरीर में खून बढ़ाए

किशमिश के सेवन से आप अनीमिया से बचे रहते हैं क्योंकि किशमिश आयरन का बेहतरीन स्रोत होता है। साथ ही इसमें विटामिन बी काम्प्लेक्स भी बहुतायत में पाया जाता है। ये सभी तत्व रक्त फॉर्मेशन में उपयोगी हैं।

किशमिश यानी मुनक्का पाचन तंत्र में बेहद फायदेमंद है। मिनरल्स की मात्रा काफी होती है। यह हड्डियों के लिए काफी अच्छा होता है। दिनभर में 10-12 किशमिश ली जा सकती हैं। एक बात हमेशा ध्यान रखें कि भीगी हुई किशमिश में कैलरी की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि इसे ज्यादा मात्रा में न लें। इसे नियमित अपने आहार में शामिल करने से डाइजेशन में आराम मिलता है। असल में यह फाइबर से भरपूर होता है।

मरीज को मृत समान बना देता है फाइलेरिया

फाइलेरिया दुनिया की दूसरे नंबर की ऐसी बीमारी है जो बड़े पैमाने पर लोगों को विकलांग बना रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक 65 करोड़ भारतीयों पर फाइलेरिया रोग का खतरा मंडरा रहा है। आइए जानते हैं इसके कारण, लक्षण, इलाज और बचाव के बारे में:

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक 65 करोड़ भारतीयों पर फाइलेरिया रोग का खतरा मंडरा रहा है। 21 राज्यों और केंद्र शासित राज्यों के 256 जिले फाइलेरिया से प्रभावित हैं। फाइलेरिया दुनिया की दूसरे नंबर की ऐसी बीमारी है जो बड़े पैमाने पर लोगों को विकलांग बना रही है। दुनिया के 52 देशों में करीब 856 करोड़ लोग फाइलेरिया के खतरे की जद में हैं। लिंफेटिक फाइलेरियासिस को ही आम बोलचाल की भाषा में फाइलेरिया कहा जाता है। इस साल जनवरी में वाराणसी में फाइलेरिया के कई मामले देखे गए। फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है। यह जान तो नहीं लेती है, लेकिन जिंदा आदमी को मृत के समान बना देती है। इस बीमारी को हाथीपांव के नाम से भी जाना जाता है। अगर समय पर फाइलेरिया की पहचान कर ली जाए तो जल्द इलाज शुरू किया जा सकता है।

फाइलेरिया के कारण

फाइलेरिया मच्छरों द्वारा फैलता है, खासकर परजीवी क्यूलैक्स फैटीगंस मादा मच्छर के जरिए। जब यह मच्छर किसी फाइलेरिया से ग्रस्त व्यक्ति को काटता है तो वह संक्रमित हो जाता है। फिर जब यह मच्छर किसी स्वस्थ्य व्यक्ति को काटता है तो फाइलेरिया के विषाणु रक्त के जरिए उसके शरीर में प्रवेश कर उसे भी फाइलेरिया से ग्रसित कर देते हैं। लेकिन ज्यादातर संक्रमण अज्ञात या मौन रहते हैं और लंबे समय बाद इनका पता चल पाता है। इस बीमारी का कारगर इलाज नहीं है। इसकी रोकथाम ही इसका समाधान है।

फाइलेरिया के लक्षण

आमतौर पर फाइलेरिया के कोई लक्षण स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देते, लेकिन बुखार, बदन में खुजली और पुरुषों के जननांग और उसके आस-पास दर्द व सूजन की समस्या दिखाई देती है। इसके अलावा पैरों और हाथों में सूजन, हाथी पांव और हाइड्रोसिल (अंडकोषों की सूजन) भी फाइलेरिया के लक्षण हैं। चूंकि इस बीमारी में हाथ और पैर हाथी के पांव जितने सूज जाते हैं इसलिए इस बीमारी को हाथीपांव कहा जाता है। वैसे तो फाइलेरिया का संक्रमण बचपन में ही आ जाता है, लेकिन कई सालों तक इसके लक्षण नजर नहीं आते। फाइलेरिया न सिर्फ व्यक्ति को विकलांग बना देती है बल्कि इससे मरीज की मानसिक स्थिति पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

फाइलेरिया से बचाव

फाइलेरिया चूंकि मच्छर के काटने से फैलता है, इसलिए बेहतर है कि मच्छरों से बचाव किया जाए। इसके लिए घर के आस-पास व अंदर साफ-सफाई रखें। पानी जमा न होने दें और समय-समय पर कीटनाशक का छिड़काव करें। पूरी बाजू के कपड़े पहनकर रहें।

सोते वक्त हाथों और पैरों पर व अन्य खुले भागों पर सरसों या नीम का तेल लगा लें हाथ या पैर में कही चोट लगी हो या घाव हो तो फिर उसे साफ रखें। साबुन से धोएं और फिर पानी सुखाकर दवाई लगा लें।

सिर की चोट को न करें इग्नोर हो सकती है ऐसी परेशानी

सिर पर लगी गंभीर चोट के कारण सूंघने की शक्ति कुछ समय के लिए कम हो जाती है, यह बात ज्यादातर लोगों को पहले से पता है। लेकिन हाल ही एक रिसर्च में पता चला है कि सिर की मामूली चोट से भी सूंघने की शक्ति जा सकती है। साथ ही ऐंग्जाइटी यानी चिंता और बेचैनी की भी समस्या हो सकती है। ब्रेन इंजरी नामक पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया है कि मामूली हादसों, जैसे बिना हेल्मेट के बाइक से गिरने, ढलान से गिरने, बर्फ पर फिसलने और किसी के सिर से टकराने, से इस तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इस रिसर्च की अगुवाई करने वाले कनाडा के मॉन्ट्रियल यूनिवर्सिटी के लेखक फैनी लेकायर जीगर ने कहा, 'बहुत से लोगों को लाइफ में कभी न कभी सिर में हल्की चोट लगती ही है और उनके सूंघने की शक्ति कम हो गई है इसके बारे में पता लगने के बाद उन्हें अपने डॉक्टर को इसके बारे में बताना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मरीज को इस परेशानी के बारे में डॉक्टर को बताना चाहिए क्योंकि इसके बारे में ज्यादातर डॉक्टर पूछते नहीं हैं।' इस रिसर्च के लिए शोधकर्ताओं ने 20 हॉस्पिटल के मरीजों की तुलना की, जिनको हलकी चोटें लगी थीं। इन में 22 मरीज ऐसे थे जिनके अंग टूट गए थे, लेकिन उनके सिर में चोट नहीं आई थी। हादसे के 24 घंटों के भीतर सिर में हल्की चोट वाले आधे से ज्यादा मरीजों की सूंघने की शक्ति कम हो गई थी। वहीं जिन मरीजों की सिर्फ हड्डियां टूटी थी, उनमें से सिर्फ पांच प्रतिशत को ही इस परेशानी का सामना करना पड़ा था। हालांकि एक साल बाद सभी सामान्य हो गए थे। साथ ही सिर पर चोट खाए मरीज बाकियों से ज्यादा परेशान और बेचैन थे। सूंघने की उनकी क्षमता का परीक्षण करने के लिए, शोधकर्ताओं ने दिसंबर 2016 और फरवरी 2017 के बीच स्विट्जरलैंड के अल्पाइन स्की रिसॉर्ट में उन मरीजों से मिले थे। सभी मरीजों को गुलाब, लहसुन, लौंग की सिंथेटिक खुशबू की पहचान करने को कहा गया था। एक साल बाद फिर से सभी मरीजों को फॉलोअप क्वेस्चनायर भेजा गया। शोधकर्ताओं ने इन दोनों समूहों के मरीजों के चोट लगने के दिन और 12 महीने बाद सामने आए परिणामों की तुलना की। इसमें शोधकर्ताओं ने पाया कि ज्यादातर मरीजों की सूंघने की शक्ति ऐक्सिडेंट के छह महीने के भीतर ही वापस आ गई थी। हालांकि उनमें से कई लोगों में बेचैनी की समस्या देखने को मिली। शोधकर्ताओं ने कहा कि लगभग 65 प्रतिशत मरीजों ने इस तरह के लक्षणों के बारे में बताया।

एशियन पेंट्स ने एक दमदार क्रिकेट एंथम के साथ किया क्रिकेट के रंगों को सजीव

रायपुर: भारत में क्रिकेट महज़ एक खेल नहीं, बल्कि उससे कहीं बढ़कर है। यह लोगों को गौरव, उम्मीद और उत्साह के साथ एकजुट रखता है। एकजुटता की इसी भावना के मद्देनजर एशियन पेंट्स ने लॉन्च किया है एशियन पेंट्स रंग दे इंडिया क्रिकेट एंथम। यह एक ऐसी अभिव्यक्ति है, जो संगीत के ज़रिए उन रंगों, भावनाओं और एकता की खुशियां मनाती है जिसे क्रिकेट हर भारतीय घर में भरता है। घर मिनी स्टेडियम में बदल जाते हैं और बालकनियों नारों से गूंज उठती हैं। यह एंथम मैच के दौरान की खुशी और जोश को दर्शाता है। यह हर पीढ़ी, वर्ग, क्षेत्र, भाषा और परंपरा के फैन्स को एक साथ बांधता है। एशियन पेंट्स और क्रिकेट, दोनों ही भारत के पलों और यादों में रंग भरते हैं। साथ मिलकर वे एक मजबूत भावनात्मक लगाव बढ़ाते हैं जो 1.4 अरब दिलों को एक साथ जोड़ता है। एशियन पेंट्स ने रंगों के ज़रिए और फैन्स को ध्यान में रखते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ होने वाले घरेलू क्रिकेट के आधिकारिक कलर पार्टनर के रूप में अपने जुड़ाव को लगातार मज़बूत किया है। यह एंथम ब्रांड के इस विश्वास को दर्शाता है कि रंग भावनाओं की अभिव्यक्ति है और एक ऐसी शक्ति है जो लोगों को करीब लाती है। रंग दे – मोहे जीत के रंग में रंग दे की धुन क्रिकेट की उस भावना, रंग और रोमांच को एक साथ पिरोती है, जिसे एशियन पेंट्स सेलिब्रेट करता है। ऊर्जा से भरपूर यह एंथम सुनने के साथ-साथ महसूस करने के लिए बनाया गया है। यह आकर्षक, उत्साहवर्धक और गर्व से भरा है, ठीक वैसे ही जैसे मैच के दौरान भावनाएं होती हैं। इसका संगीत समीर उद्दीन ने तैयार किया है और इसे सुनिधि चौहान और विशाल ददलानी ने गाया है। उनकी दमदार और जोशीली आवाज़ें एंथम को यादगार बनाती हैं। यह एक ऐसा एंथम है जिसे फैन्स मैच के दौरान गुनगुनाएंगे, मैच देखने के दौरान बजाएंगे और मैच खत्म होने के काफी समय बाद भी याद रखेंगे। इस तरह से यह भारत के क्रिकेट सेलिब्रेशंस का एक अभिन्न हिस्सा बन जाएगा। यह चलचित्र उन विशेष क्षणों, परंपराओं और यादों को दर्शाती है, जो भारत में क्रिकेट को जीवन का इतना महत्वपूर्ण हिस्सा बनाते हैं। यह देश के हर कोने से क्रिकेट फैन्स को सेलिब्रेट करती है। यह दिखाती है कि कैसे क्रिकेट क्षेत्र, उम्र और पृष्ठभूमि की सीमाओं को पार करते हुए लोगों को आपस में जोड़ता है। क्रिएटिव पार्टनर किन्नेक्ट के साथ मिलकर तैयार किया गया यह अभियान एक सामान्य खेल साझेदारी से कहीं आगे बढ़कर है। यह भारत की क्रिकेट भावना का उत्सव बन जाता है, जिसका उद्देश्य फैन्स के घरों और दिलों में बसना है। इस अभियान के बारे में एशियन पेंट्स के प्रबंध निदेशक और सीईओ अमित सिंगल ने कहा, क्रिकेट में यह अनोखी और मज़बूत क्षमता है कि वो क्षेत्रों और पीढ़ियों से परे पूरे भारत को एकजुट कर सकता है। एशियन पेंट्स में हम हमेशा मानते आए हैं कि रंग सिर्फ खूबसूरती के लिए नहीं होते, बल्कि वो इससे कहीं अधिक भावनाओं की अभिव्यक्ति होते हैं। रंगों के क्षेत्र में अग्रणी होने के नाते, हम यह जानने का प्रयास करते रहते हैं कि रंग किस तरह से उन भावनाओं को जीवंत कर सकते हैं जिन्हें अक्सर शब्दों में बयां करना असंभव होता है।

सैमसंग जल्द पेश करेगा सहज गैलेक्सी कैमरा अनुभव; अब कंटेंट बनाना होगा और भी आसान

दिन में खिंची गई फोटो को कुछ ही सेकंड में 'नाइट मोड' जैसा लुक देना हो, तस्वीर से गायब हिस्सों को वापस जोड़ना हो (जैसे केक का कटा हुआ हिस्सा ठीक करना), या कई तस्वीरों को मिलाकर एक शानदार इमेज बनानी हो—अब यह सब बेहद आसान होने वाला है। पहले इस तरह की एडिटिंग के लिए पेशेवर कौशल (प्रोफेशनल स्किल्स) या घंटों की मेहनत की जरूरत होती थी। लेकिन अब, आप अपने गैलेक्सी फोन पर बस कुछ शब्दों में अपनी जरूरत बताकर मिनटों में यह काम कर सकेंगे। यह गैलेक्सी कैमरा का अगला बड़ा विकास है—जो अब तक के सबसे ब्राइट गैलेक्सी कैमरा सिस्टम पर आधारित एक 'एंड-टू-एंड' अनुभव प्रदान करेगा। आज के दौर में मोबाइल कैमरे सिर्फ फोटो लेने तक सीमित नहीं रह गए हैं। लेटेस्ट गैलेक्सी एआई तकनीक अब फोटो खींचने, एडिट करने और शेयर करने की उन्नत क्षमताओं को एक ही 'सहज प्लेटफॉर्म' (इंट्यूटिव प्लेटफॉर्म) पर लेकर आएगी। इसका परिणाम एक निर्बाध अनुभव और अधिक सुगम रचनात्मक प्रक्रिया के रूप में सामने आएगा—जिससे यूज़र्स को अलग-अलग ऐप्स के बीच स्विच करने या जटिल टूल्स को समझने की जरूरत नहीं होगी। इससे कंटेंट बनाना पहले से कहीं अधिक तेज, सरल और स्वाभाविक हो जाएगा। इस बदलाव के मूल में यह सोच है कि—रचनात्मकता किसी तकनीकी जानकारी या अनुभव की मोहताज नहीं होनी चाहिए। शूटिंग से लेकर एडिटिंग तक, गैलेक्सी कैमरा ने मोबाइल फोटोग्राफी की संभावनाओं कोपुनर्परिभाषित किया है। अब कोई भी यूज़र आसानी से सिनेमैटिक वीडियो बना सकता है, रात के आसमान में तारों की गति को कैप्चर कर सकता है या कम रोशनी में भी बारीक विवरणों वाली तस्वीरें ले सकता है। इसके अलावा, आसान और प्राकृतिक कमांड की सुविधा के कारण एडिटिंग अब उतनी ही सरल है, जितना कि अपनी पसंद को शब्दों में बयां करना। तो, अब तक के सबसे आसान और यूज़र-फ्रेंडली गैलेक्सी कैमरा अनुभव के लिए तैयार हो जाइए।

मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, एपस्टीन फाइल्स को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की सफाई

वाशिंगनटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने जेफरी एपस्टीन के साथ किसी भी तरह के लिंक से साफ इनकार कर दिया है। ट्रंप ने एयर फोर्स वन पर एक प्रेस गैगल के दौरान रिपोर्टर्स से बात करते हुए कहा, मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है।

तीन मिलियन से ज्यादा डॉक्यूमेंट्स की एपस्टीन फाइल्स में डोनल्ड ट्रंप का नाम भी सामने आया। इस पर ट्रंप ने फिर एक बार सफाई देते हुए कहा, जेफरी एपस्टीन से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। मुझे पूरी तरह से बरी कर दिया गया है।

जस्टिस डिपार्टमेंट ने पिछले महीने तथाकथित एपस्टीन फाइलों का लेटेस्ट कैश जारी किया था। यौन उत्पीड़न मामलों के दोषी एपस्टीन पर कई फोटो और वीडियो सामने आए हैं। जेफरी एपस्टीन की 2019 में मौत हो चुकी है।

ट्रंप ने एपस्टीन के साथ किसी भी लिंक के होने से मना कर दिया है। डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने इस मामले में कहा कि अब उनके पास जारी करने के लिए और कोई फाइल नहीं है। हालांकि सांसदों ने एपस्टीन पर इंटरनल गवर्नमेंट मेमो, नोट्स और ईमेल पब्लिश न करने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस की आलोचना की है। क्या है ट्रंप-एपस्टीन का कनेक्शन? जेफरी एपस्टीन का डोनल्ड ट्रंप के साथ कनेक्शन 1980 के दशक का माना जा सकता है। 2002 में न्यूयॉर्क मैगजीन को दिए एक इंटरव्यू में, ट्रंप ने एपस्टीन को लगभग 15 साल से जानने की बात कही थी।

तस्वीरों से पता चलता है कि एपस्टीन साल 1993 में डोनल्ड ट्रंप और मार्ला मेपल्स की शादी में भी शामिल हुए थे। वहीं दोनों को उसी साल न्यूयॉर्क में हार्लेम डेविडसन कैफे की ओपनिंग पर भी एक साथ देखा गया था। 2002 में न्यूयॉर्क मैगजीन को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने एपस्टीन को एक शानदार आदमी बताया था। पूर्व यूएस सेक्रेटरी ऑफ स्टेट हिलेरी क्लिंटन ने ट्रंप पर आरोप लगाया है कि वे जेफरी एपस्टीन से जुड़ी फाइलों को कवर-अप कर रहे हैं। बर्लिन में ब्रॉडकास्टर से बात करते हुए, क्लिंटन ने कहा, फाइलें बाहर निकालो। वे इसे धीरे-धीरे आगे बढ़ा रहे हैं और कहा कि वह मामले की जांच कर रही कांग्रेसनल कमेटी के सामने गवाही देने वाली हैं।

हॉकी मैच में फायरिंग, बच्ची समेत दो की मौत; हमलावर ने खुद को भी मारी गोली

वाशिंगनटन, एजेंसी। अमेरिका में रोड आइलैंड के पावकेट में एक एरीना में गोलीबारी हुई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, इस गोलीबारी में संदिग्ध समेत तीन लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पावकेट पुलिस चीफ टीना गोंकाल्वेस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि

गोलीबारी की खबर मिलते ही अधिकारी डेनिस एम. लिंच एरीना पहुंचे। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के मुताबिक, हमले के बाद बंदूकधारी की खुद को गोली मारने से मौत हो गई।हॉकी इवेंट में छात्रों और माता-पिता की भीड़ थी। शुरुआती जांच से पता चलता है कि शूटर ने शायद अपने ही परिवार के सदस्यों को निशाना बनाया था। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक छोटी लड़की भी थी। अधिकारियों ने बताया, हादसे में घायल तीनों लोगों को गोली लगी है और गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। एरीना के आस-पास की सड़कें बंद कर दी गई हैं और भारी पुलिस बल तैनात है। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने ङ्क पर लिखा, रोड आइलैंड स्टेट पुलिस लोकल लॉ एनफोर्समेंट के साथ काम कर रही है। मैं पावकेट और इसमें शामिल सभी लोगों के लिए प्रार्थना कर रहा हूँ। दिसंबर 2025 में, ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुई एक शूटिंग में कई लोग मारे गए और घायल हुए थे।

भड़काऊ बातें और भारत का विरोध...

जाते-जाते भी जहर उगल गए यूनुस, आखिरी भाषण में किया सेवन सिस्टर्स का जिक्र

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में लोकतांत्रिक हालात को बहाल करने और कमजोर अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में पूरी तरह से नाकाम रहे मोहम्मद यूनुस ने अपने विदाई भाषण में भी भड़काऊ बातें की और भारत के खिलाफ जहर उगला।

शेख हसीना के तख्तापलट के बाद यूनुस ने अंतरिम सरकार का नेतृत्व किया लेकिन उनके नेतृत्व में बांग्लादेश के भीतर इस्लामिक विद्रोह भड़का और हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया। कानून और व्यवस्था को लेकर उनकी लगातार आलोचना हुई।

दूसरे के निर्देशों पर नहीं चलता बांग्लादेश

अपने भाषण में उन्होंने कहा कि बांग्लादेश ने विदेश नीति में अपनी संप्रभुता, सम्मान और आजादी वापस पा ली है और अब वह दूसरे के निर्देशों पर नहीं चलता है। उनकी इस कथनी को भारत के लिए समझा गया है, जो वर्षों से बांग्लादेश की मदद करता आया।

उन्होंने नेपाल, भूटान और सेवन सिस्टर्स को जोड़ते हुए भविष्य के आर्थिक एकीकरण की बात की। बता दें कि सेवन सिस्टर्स को अक्सर भारत के नॉर्थ ईस्ट राज्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यूनुस ने कहा, हमारे खुले समुद्र सिर्फ बॉर्डर नहीं हैं, वे ग्लोबल इकॉनमी के गेटवे हैं। नेपाल, भूटान और सेवन सिस्टर्स के साथ इस इलाके में बहुत ज्यादा

आर्थिक क्षमता है। इकॉनमिक जोन, ट्रेड एग्रीमेंट और ड्यूटी-फ्री मार्केट एक्सेस हमें ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर बना सकते हैं। इस तरह की बातों से नई दिल्ली में हैरानी हो सकती है। सालों से, भारत ने अपने नॉर्थ-ईस्ट को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने के लिए बांग्लादेश के जरिए कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स में भारी इन्वेस्ट किया है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार चलाने वाले नेता ने चीन, जापान, अमेरिका और यूरोप के साथ गहरे होते रिश्तों पर जोर दिया। उन्होंने चीन के सपोर्ट वाले प्रोजेक्ट्स पर हुई प्रोग्रेस का जिक्र किया, जिसमें तीस्ता नदी पहल भी शामिल है। यह भारत के रणनीतिक रूप से जरूरी सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास है।

यूनुस ने कहा, हमने चीन के साथ भी सहयोग बढ़ाया है। तीस्ता नदी प्रोजेक्ट और निलफामारी में 1,000 बेड वाले इंटरनेशनल हॉस्पिटल पर काफी तरक्की हुई है। यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश ने किसी भी हमले का मुकाबला करने के लिए अपनी सेना को मजबूत करना शुरू कर दिया है। उनके भाषण में अंतरिम सरकार के सांप्रदायिक हिंसा से ठीक से निपटने के तरीके पर कोई बात नहीं हुई, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में हुई गलतियों को स्वीकार नहीं किया गया और हिंदू नागरिकों के बीच डर को भी नहीं माना गया, जो उथल-पुथल के समय में भरोसे के लिए सरकार की तरफ देख रहे थे।

यूनुस ने अपनी विदेश नीति के भारत विरोधी रवैये और पाकिस्तान के पक्ष में झुकाव की आलोचना के बीच कहा, विदेश नीति में हमने बांग्लादेश की संप्रभुता, राष्ट्रीय हित और सम्मान को मजबूती से बहाल किया है। बांग्लादेश अब दूसरों के कहने या उनके कहने पर चलने वाला नहीं है। आज का बांग्लादेश आत्मविश्वासी, सक्रिय और जिम्मेदार है। हम आपसी सम्मान और हित के आधार पर रिश्ते बनाने और रणनीतिक संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पाकिस्तानी अदालत का अन्यायपूर्ण फैसला, किडनैपर व दुष्कर्मी को ही सौंप दी नाबालिग ईसाई लड़की

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामी देश पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की दुर्गति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गैर मुस्लिम नाबालिग लड़कियों पर होने वाले अत्याचार को तो यहां रोकनेवाला कोई नहीं है, लेकिन जिन अदालतों में पीड़ित अल्पसंख्यक न्याय मिलने की उम्मीद में जाते हैं, वहां भी उनके साथ घोर अन्याय ही होता है। इसकी ताजा मिसाल यह नाबालिग ईसाई लड़की है। पाकिस्तान की एक संघीय अदालत ने 13 वर्षीय ईसाई लड़की को उसका अपहरण करके जबरन मतांतरण करने के बाद उससे निकाह करने वाले अपहर्ता मुसलमान के ही हवाले कर दिया है। एक मुस्लिम व्यक्ति ने नाबालिग मारिया शाहबाज को जबरन इस्लाम कुबूल करवाकर उससे शादी की। न्यायाधीशों ने मारिया शाहबाज के माता-पिता द्वारा प्रस्तुत जन्म प्रमाण पत्र को स्वीकार नहीं किया, जो उसकी उम्र को साबित करता था। अधिकार समूह राह-ए-निजात मंत्रालय के अध्यक्ष सफदर चौधरी ने बताया कि न्यायाधीशों ने पहले के न्यायिक निष्कर्षों को भी खारिज कर दिया कि यह विवाह अवैध था। अब 13 वर्षीय लड़की के माता-पिता अदालत के फैसले से विचलित हैं। पेशे से ड्राइवर, लड़की के पिता शाहबाज मसीह ने बताया कि उनके पड़ोसी ने पिछले

साल 29 जुलाई को मारिया शाहबाज का अपहरण किया जब वह पास की दुकान पर जा रही थी। तब से उनका परिवार उसे खोजने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप की बार-बार मांग कर रहा है।

पाकिस्तान में हर साल लगभग एक हजार धार्मिक अल्पसंख्यक लड़कियों (मुख्यत- हिंदू और ईसाई) को उनके अपहरण, दुष्कर्म, अपहरणकर्ताओं से जबरन विवाह, इस्लाम में मतांतरण और विभिन्न अन्य प्रकार के दु?र्व्यवहार का सामना करना पड़ता है।

भूकंप के झटकों से हिली धरती, रिक्टर स्केल पर इतनी रही तीव्रता...

यांगून, एजेंसी। 16 फरवरी 2026 को म्यांमार में 3.3 तीव्रता का भूकंप आया। यह भूकंप भारतीय समयानुसार रात 10:04:26 बजे दर्ज किया गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की गहराई जमीन से 50 किलोमीटर नीचे थी। इसके केंद्र का स्थान 22.99 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 94.51 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। इस संबंध में जानकारी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा की। 15 फरवरी 2026 को भी म्यांमार में एक के बाद एक तीन भूकंप आए थे। पहला भूकंप 4.5 तीव्रता का था, जो सुबह 08:17:20 आइएसटी पर आया। इसकी गहराई 100 किलोमीटर थी। इसके केंद्र का स्थान 22.16 डिग्री उत्तर और 94.51 डिग्री पूर्व था। उसी दिन तड़के 00:52:42 आइएसटी पर 3.2 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई 25 किलोमीटर थी। इसके निर्देशांक 23.44 डिग्री उत्तर और 93.49 डिग्री पूर्व दर्ज किए गए।

ग्वाटेमाला में एक माह बाद समाप्त आपातकालीन शक्तियां

ग्वाटेमाला , एजेंसी। ग्वाटेमाला ने सोमवार को आपातकालीन स्थिति समाप्त कर दी, जो एक माह पहले राष्ट्रपति बर्नार्डो अरेवालो द्वारा लागू की गई थी। इस कदम के पीछे 10 पुलिसकर्मियों की हत्या थी, जिसे कथित गैंग सदस्यों द्वारा अंजाम दिया गया था। आपातकालीन स्थिति के दौरान कुछ संवैधानिक अधिकारों पर रोक लगाई गई थी। अधिकारियों को बिना न्यायाधीश के वारंट के गिरफ्तारी करने की अनुमति मिली थी। यह सुविधा अब मंगलवार से लागू होने वाले नए नियमों में नहीं रहेगी, हालांकि राष्ट्रपति अरिवालो ने नए उपायों का विस्तार से विवरण नहीं दिया। उन्होंने रविवार को बताया कि आपातकालीन अवधि में 83 गैंग सदस्यों को गिरफ्तार किया गया और हत्या और वसूली की घटनाओं में पिछले साल की तुलना में गिरावट आई। हालांकि उन्होंने सटीक आंकड़े साझा नहीं किए।

चीन के लिए क्यों बन रही बड़ी चुनौती?

सुलेमानी किलर एमक्यू-9 रीपर ड्रोन की एशिया में बढ़ती तैनाती

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका एशिया, खासकर चीन के आसपास, अपने एमक्यू-9 रीपर ड्रोन की तैनाती तेजी से बढ़ा रहा है। इससे चीन के लिए नई सुरक्षा और रणनीतिक चुनौती खड़ी हो गई है। एमक्यू-9 रीपर एक ऐसा अत्याधुनिक ड्रोन है जो निगरानी (जासूसी) और हमला–दोनों काम कर सकता है। इसका इस्तेमाल 2020 में ईरानी जनरल कासिम सूलेमानी के खिलाफ किए गए ऑपरेशन में भी किया गया था। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में यह ड्रोन अमेरिका की निगरानी और सुरक्षा रणनीति का अहम हिस्सा बन चुका है।

एमक्यू-9 रीपर की ताकत क्या है?: एमक्यू-9 ड्रोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी ऊंची उड़ान और लंबी अवधि तक हवा में बने रहने की क्षमता है। यह करीब 15,240 मीटर (50,000 फीट) की ऊंचाई तक उड़ सकता है। इसकी अधिकतम रफ्तार लगभग 480 किमी प्रति घंटा है। यह करीब 27 घंटे तक लगातार उड़ान भर सकता है।

चीनी सैन्य विशेषज्ञों के मुताबिक, यह ड्रोन चीन की सीमा से दूर रहकर भी उसके आसपास की गतिविधियों पर नजर रख सकता है। इसकी तकनीक ऐसी है कि इसे पकड़ना आसान नहीं होता। इसमें हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे, उन्नत सेंसर और सैटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम लगे होते हैं, जो रियल टाइम में जानकारी भेज सकते हैं। जरूरत पड़ने पर यह लेजर-गाइडेड बम और मिसाइल से हमला भी कर सकता है।

नया एमक्यू-9बी सी गार्डियन मॉडल जनवरी में इसके नए वैरिएंट एमक्यू-9बी सी गार्डियन में एक खास सिस्टम जोड़ा गया है, जो पहले से दोगुने सोनाबॉय गिरा सकता है। सोनाबॉय समुद्र में पनडुब्बियों का पता लगाने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। इससे समुद्री निगरानी और पनडुब्बी रोधी अभियानों में इसकी ताकत और बढ़ गई है, जो दक्षिण चीन सागर जैसे संवेदनशील इलाकों में अहम मानी जा रही है।

किन देशों में तैनात हैं ये ड्रोन? अमेरिका ने जापान के ओकिनावा स्थित 14 एमक्यू-9 ड्रोन तैनात किए हैं। इसके अलावा दक्षिण कोरिया के कुनसान एयर बेस और फिलीपींस के बासा एयर बेस पर। इन ठिकानों से पूर्वी चीन सागर, ताइवान स्ट्रेट और दक्षिण चीन सागर पर लगातार नजर रखी जा सकती है। चीन के लिए क्यों चिंता की बात? विशेषज्ञों का मानना है कि इन ड्रोन की तैनाती से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को चीन की सैन्य गतिविधियों पर करीबी नजर रखने में मदद मिल रही है। इससे क्षेत्र में शक्ति संतुलन बदल सकता है। हालांकि चीन के पास भी उन्नत एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम, लेजर हथियार और आधुनिक ड्रोन मौजूद हैं। लेकिन शांति के समय बिना सीधे टकराव के इन ड्रोन गतिविधियों का जवाब देना चीन के लिए रणनीतिक रूप से बड़ी चुनौती बन सकता है।

द्विपक्षीय संबंधों को मिलेगी नई गति

म्यूनिख , एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनकी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद ने अगले महीने प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा से पहले म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग को गहरा करने और साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की।कनाडा के एक अधिकारी ने कहा है कि कार्नी संभवतः 1-2 मार्च को भारत में होंगे।

सितंबर 2025 के बाद से दोनों विदेश मंत्रियों के बीच यह पांचवीं बैठक है, जो कनाडा-भारत संबंधों में बढ़ती गति को दर्शाती है। दोनों मंत्रियों ने ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और व्यापार सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने पर चर्चा की। भारत-कनाडा संबंध लगातार प्रगति कर रहे हैं जयशंकर ने एक पोस्ट में कहा, कनाडा की विदेश मंत्री से मुलाकात और बातचीत करना बहुत अच्छा लगा। भारत-कनाडा संबंध लगातार प्रगति कर रहे हैं। वहीं, आनंद ने कहा, अपने भारतीय समकक्ष से मिलकर कनाडा-भारत संबंधों और साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए आगे के कार्यों पर चर्चा करना अच्छा लगा। आनंद ने कनाडा के लिए एक

साझेदार के रूप में भारत के महत्व को रेखांकित किया, क्योंकि दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के व्यवसायों, उद्योगों और श्रमिकों के लिए तकनीकी लाभों और महत्वपूर्ण साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने आगे कहा, कनाडा रचनात्मक सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है, और मैं भारत में अपने प्रयासों को जारी रखने के लिए उत्सुक हूं।

सरगुजा में शिक्षा और स्वच्छता की मिसाल: अदाणी विद्या मंदिर को 'क्लीन एंड ग्रीन स्कूल ऑफ द डिस्ट्रिक्ट' सम्मान

2,365 विद्यालयों में प्रथम स्थान, पाँच-सितारा रेटिंग के साथ स्वच्छता-हरित पहल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

साल्ही/उदयपुर-अंबिकापुर। ग्रामीण अंचल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की मिसाल पेश करते हुए अदाणी विद्या मंदिर सरगुजा को केंद्र सरकार की ग्रीन एंड क्लीन स्कूल पहल के तहत 'क्लीन एंड ग्रीन स्कूल ऑफ द डिस्ट्रिक्ट' सम्मान से नवाजा गया है। जिले के 2,365 से अधिक विद्यालयों के विस्तृत निरीक्षण के बाद स्कूल ने सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया और पाँच-सितारा रेटिंग प्राप्त की। यह सम्मान 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जिलाधीश अजीत वसंत, राजेश अग्रवाल तथा जिला शिक्षा अधिकारी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। विद्यालय की ओर से उप-प्रधानाचार्य डॉ. टी. एल. वर्मा ने सम्मान ग्रहण किया।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय ने हाथ धोने की सुविधा और मिशन लाइफ के प्रभावी क्रियान्वयन में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

स्कूल मेंटेनेंस में 95.24 प्रतिशत, व्यवहार परिवर्तन आधारित स्वच्छ आचरण में 90 प्रतिशत, सुरक्षित पेयजल व्यवस्था में 90.91 प्रतिशत तथा शौचालय सुविधाओं में 85.19 प्रतिशत अंक दर्ज किए गए। समग्र रूप से यह प्रदर्शन जिले में सर्वोच्च रहा।

दो वर्षों में व्यापक हरित पहल- पिछले दो वर्षों में विद्यालय परिसर में शुद्ध पेयजल प्रणाली, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग, 80 केवीए क्षमता का सोलर प्लांट, किचन गार्डन तथा स्वच्छ शौचालय व्यवस्था विकसित की गई है। छात्रों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, काउंसलिंग और हाथ धोने की आदत को बढ़ावा देने जैसी पहलों ने परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल बनाया है। इन गतिविधियों में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने अभियान को मजबूत आधार दिया है।

ग्रामीण क्षेत्र का प्रमुख शैक्षणिक केंद्र- ग्रामीण सरगुजा क्षेत्र में स्थित यह विद्यालय वर्तमान में 1,040 विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। 35 किलोमीटर के दायरे में यह एकमात्र ष्टक्वस्थ मान्यता प्राप्त विद्यालय है और छत्तीसगढ़ का इकलौता स्कूल है जिसे ह्वक्वश्वञ्ज प्रमाणन प्राप्त है। ह्वक्वश्वञ्ज, क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों को गुणवत्ता आधारित मान्यता प्रदान करता है।

पोषण और आजीविका का समन्वय- विद्यालय में नाश्ता और मध्याह्न भोजन की व्यवस्था स्थानीय महिला स्व-सहायता समूह स्क्वस्स द्वारा संचालित की जाती है। 250 से अधिक महिलाओं से जुड़े इस समूह की 17 सदस्य प्रतिदिन लगभग 1,000 बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन तैयार करती हैं। नाश्ते में मौसमी फल, दूध-हॉर्लिक्स तथा साप्ताहिक मेन्यू में दलिया, पोहा और उबला चना शामिल है।

प्रदेश में लागू हुआ विषयबंधन राजपत्र, शिक्षा गुणवत्ता में होगा सुधार

छग विषयबाध्यता मंच ने जताया आभार

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। राज्य सरकार ने 13 फरवरी 2026 को नवीन छत्तीसगढ़ राजपत्र जारी कर, सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में भर्ती और पदोन्नति में विषयबंधन लागू कर दिया है। इस फैसले से छात्रों को बेहतर शिक्षा गुणवत्ता मिलने के साथ ही, शिक्षकों को अपनी विशेषज्ञता के अनुसार भर्ती और पदोन्नति के नए अवसर भी मिलेंगे। नवीनतम राजपत्र में यह महत्वपूर्ण संशोधन किया गया है कि अब राज्य के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती और पदोन्नति केवल संबंधित विषय के स्नातक योग्यता वाले अभ्यर्थियों के लिए की जाएगी। इसका उद्देश्य बच्चों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना है, ताकि वे अपने विषय में अधिक कुशल और सक्षम बन सकें।

इस फैसले के बाद, अभ्यर्थियों और सहायक शिक्षकों को अपने विषय के अनुरूप पदोन्नति और भर्ती के अवसर मिलेंगे। यह कदम राज्य सरकार के शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है।

छत्तीसगढ़ विषयबाध्यता मंच ने इस फैसले का स्वागत करते हुए सरकार का आभार व्यक्त किया है। मंच के प्रदेश संयोजक ऋषि राजपूत और अन्य पदाधिकारियों ने इस निर्णय को शिक्षा सुधार के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया। मंच के सदस्यों ने एकजुट होकर राज्य सरकार को धन्यवाद दिया और इसे प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए एक मजबूत पहल माना।

इस अवसर पर मंच के सदस्य जैसे आनंद कुमार साहू, नीलम मेश्राम, अमित ठाकुर, चेतन परिहार, लालमन पटेल, शैलेंद्र कुमार साहू, ललित साहू, महेश ध्रुव, मुकेश ध्रुव, रूद्र कश्यप, वसीम खान, वीना गुप्ता, कविता वर्मा, श्वेता भोषले, सीमा विश्वास, एकलव्य साहू, रूपेंद्र साहू, लिलेश्वर महावे, चंद्रशेखर तिवारी, केशव दास, अनिल सोरी, देवेंद्र ध्रुव, कांशी चुम्मेश्वर, योगेश्वर मोहन, पवन भास्कर, संतोष कश्यप, अरुण रावटे, देवेंद्र मानिकपुरी, नारायण साहू, अनिल सोरी, डहरू राम ध्रुव, ऊमेश शुक्ला, योगेश साहू, तुकाराम, राघवेंद्र कंवर, लाला साहू, प्रकाश सोम, राजेश कश्यप और अन्य ने सरकार के इस निर्णय को सराहा और शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम बताया।

खबर-खास

विवादों में रहता है पंचायत सचिव, ऐसा सचिव नहीं चाहिए, पहंड़ोंर के ग्रामीणों ने जिला पंचायत सीईओ को सौंपा ज्ञापन

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत पतोरा से स्थानांतरित किए गए पंचायत सचिव महेंद्र साहू को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। पतोरा में विरोध के बाद उनका तबादला पहंड़ोंर ग्राम पंचायत में किया गया, लेकिन यहां भी ग्रामीणों ने उनके प्रभार लेने से पहले ही विरोध शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, पतोरा ग्राम पंचायत में पदस्थ रहते हुए महेंद्र साहू के खिलाफ ग्रामीणों ने नाराजगी जताई थी और पंचायत में तालाबंदी तक की चेतावनी दी थी। इसके बाद प्रशासन ने उनका स्थानांतरण पहंड़ोंर ग्राम पंचायत में कर दिया।

अब पहंड़ोंर के ग्रामीणों ने भी महेंद्र साहू का विरोध करते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों की मांग है कि वर्तमान में कार्यरत सचिव को ही यथावत रखा जाए और महेंद्र साहू को पंचायत में पदभार ग्रहण करने की अनुमति न दी जाए। ग्राम पंचायत की सरपंच माया गजेंद्र मढ़रिया सहित पंचों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि महेंद्र साहू जहां-जहां पदस्थ रहे हैं, वहां वे विवादों में घिरे रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत के सुचारू संचालन और विकास कार्यों की निरंतरता के लिए ऐसे सचिव की आवश्यकता है, जो पारदर्शी और विवादमुक्त कार्यशैली अपनाए। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले में गंभीरता से विचार करते हुए उनकी मांग पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की है। जिला पंचायत को ज्ञापन सौंपने वालो में गायत्री वर्मा, रेखा यादव, सरिता, पद्मा, अनिता, मुन्नी बाई, रोहिणी बाई, हेमलता, ललिता, मधु, मालती , रोहित सहित अन्य पंच और ग्रामीण शामिल है।

परीक्षा अवधि में रात्रि 10 बजे से प्रातः 06 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्र वर्जित

मुंगेली(समय दर्शन)। जिले में बोर्ड एवं स्थानीय परीक्षाओं को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज ने डीजे एवं धुमाल संचालकों की बैठक ली। बैठक में परीक्षा अवधि के दौरान जिले में शांति एवं अनुशासन बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा केंद्रों के आसपास विशेष सतर्कता बरती जाए तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनुचित गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि परीक्षा अवधि के दौरान रात्रि 10 बजे से प्रातः 06 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्र (डी.जे.) का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शासन द्वारा जारी निर्देशों एवं कोलाहल नियंत्रण अधिनियम का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित कराया जाए। सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। परीक्षा केंद्रों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों एवं अन्य संवेदनशील स्थलों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार के साउंड सिस्टम या ध्वनि विस्तारक उपकरण के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। बैठक में संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मनरेगा में ई-केवाईसी प्रगति धीमी: 10 रोजगार सहायकों और 29 तकनीकी सहायकों को अलग-अलग कारण बताओ नोटिस जारी

बेमेतरा (समय दर्शन)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत ई-केवाईसी कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं लाए जाने पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिले की सभी जनपद पंचायतों में कार्यरत 10 रोजगार सहायकों एवं 29 तकनीकी सहायकों को अलग-अलग कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जिला पंचायत द्वारा जारी नोटिस में उल्लेख किया गया है, कि ई-केवाईसी कार्य शासन की प्राथमिकता में शामिल है, इसके बावजूद संबंधित अधिकारियों द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं की गई। कई बार निर्देश एवं समीक्षा के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं होने पर यह कार्रवाई की गई है। रोजगार सहायकों को ग्राम स्तर पर श्रमिकों के ई-केवाईसी पंजीयन में लापरवाही बरतने तथा निर्धारित प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण नहीं करने के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है। वहीं तकनीकी सहायकों को कार्यों की प्रविष्टि, सत्यापन एवं पोर्टल पर अद्यतन प्रगति सुनिश्चित नहीं करने के संबंध में कारण बताने नोटिस जारी किया गया है।सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्राम रंगकठेरा, उमपोटी रामायण कार्यक्रम में शामिल हुए कल्पना नारद साहू सभापति जि पं दुर्ग

पाटन (समय दर्शन)। दक्षिण पाटन ग्राम रंगकठेरा, उमरपोटी के मुख्यअतिथि के रूप मे उपस्थित कल्पना नारद साहू सभापति जिला पंचायत दुर्ग रहे- कल्पना नारद साहू ने कहा की मे छत्तीसगढ़ भगवान श्री राम का ननिहाल है, राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की संस्कृति को आगे बढ़ाने की दिशा में लगातार काम कर रही हैं. राज्य सरकार ने भगवान श्री राम ने वनवास काल के दौरान छत्तीसगढ़ में की गई यात्रा से जुड़े स्थलों के संजोने के लिए राम वनगमन पर्यटन परिपथ योजना शुरू की है. योजना के तहत सीतामढ़ी हर-चौक से लेकर दंडकारण्य के अनेक स्थलों को चिन्हित कर उनको विकसित किया जा रहा है। इस अवसर पर - कल्पना नारद साहू सभापति जिला पंचायत दुर्ग, गौतमचंद जैन समाजसेवी बटरेल, रेवाराम साहू सरपंच गातापार, दिलीप साहू उपसरपंच,प्रेमिन साहू पंच, ऋषिकांत साहू, गनेश्वर साहू,सुखराम ठाकुर, फुलेश्वर सोनवानी, रोहितकुमार, देवनारण साहू, चरणसिँह,प्रमोद कुमार, गयाराम साहू चोवाराम नेताम, गिरीश साहू, शिवप्रसाद साहू सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

16 नेशनल खिलाड़ियों को सरपंच रूपेंद्र साहू ने किया पुरस्कृत

ग्राम झीट में मातृ-पितृ पूजन दिवस पर प्रतिभाओं का समान

पाटन (समय दर्शन)। स्थानीय ग्राम झीट में 'मातृ-पितृ पूजन दिवस' के पावन अवसर पर एक गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जय महावीर व्यायाम शाला एवं एडवेंचर खो-खो क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में गांव के उन 16 होनहार खिलाड़ियों का सम्मान किया गया, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरपंच रूपेंद्र राजू साहू ने सभी नेशनल खिलाड़ियों को शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि खेल और शिक्षा के क्षेत्र में गाँव की बेटियाँ और बेटे लगातार नाम रोशन कर रहे हैं।

संस्कारों का संगम और खेल प्रतिभा का सम्मान

कार्यक्रम में खेल जगत की उम्दा उपलब्धियों को रेखांकित किया गया। मुख्य रूप से रेशम साहू (सिल्वर मेडल, ईस्ट वेस्ट जोन वेटलिफ्टिंग, कोटा), षष्ठधीश कौशिक (यू-17 स्कूल नेशनल, अरुणाचल प्रदेश) और ओमप्रकाश सिन्हा (इंटर यूनिवर्सिटी वेटलिफ्टिंग, चंडीगढ़) सहित खो-खो और अन्य विधाओं के खिलाड़ियों को मंच पर सराहा गया।

सरपंच रूपेंद्र साहू ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, मातृ-पितृ पूजन दिवस हमें याद दिलाता है कि माता-पिता ही हमारे पहले गुरु और भगवान हैं। संत श्री आशाराम जी बापू द्वारा प्रेरित यह दिवस आज के पाश्चात्य संस्कृति के दौर में युवाओं को अपनी जड़ों और संस्कारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। सम्मान समारोह में विभिन्न आयु वर्ग के नेशनल खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं: खो-खो (69वीं नेशनल स्कूल गेम्स, राजस्थान): मयंक साहू, छायांक कौशिक, मौर्य साहू, वंशिका साहू। खो-खो (35वीं सब-जूनियर नेशनल, हरियाणा): करण यादव, सावित्री ठाकुर। अन्य राष्ट्रीय खिलाड़ी: करण पाल (अंडर-19), रामेश्वर ठाकुर (सीनियर नेशनल), संजना साहू व गुंजा सिन्हा (इंटर यूनिवर्सिटी)।

विशेष उपलब्धि: वीरसिंह खुटेल (मिस्टर रायपुर) एवं तोशिका लोमश साहू (छत्तीसगढ़ पुलिस)।

इस अवसर पर डॉ. मोहन साहू, धर्मेंद्र कौशिक, क्लब अध्यक्ष पवन ठाकुर, टीकाराम साहू, गुरुदत्त ठाकुर, अनिल दास मानिकपुरी, रोहित साहू और राजेश्वर सिन्हा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन डिगेश साहू ने किया। आयोजन को सफल बनाने में कोच भूपेश सिन्हा, शेषनारायण ठाकुर, कुमलेश सिन्हा, आदित्य सिन्हा, नरोत्तम सिन्हा, पोषण पटेल और वीरसिंह खुटेल सहित समस्त ग्रामवासियों का विशेष योगदान रहा।

अकतई में वीबी राम जी का कार्यशाला आयोजित

पाटन (समय दर्शन)। कलेक्टर दुर्ग के मार्गदर्शन में अकतई ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत पाटन में वीबीग्रामजी विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जनजागरूकता कार्यक्रम एवं जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम के ग्रामीणों, किसानों एवं महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग द्वारा जानकारी दी गई कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में 125 दिवस रोजगार की कानूनी गारंटी प्रदान की गई है। यदि निर्धारित समय में कार्य उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो बेरोजगारी भत्ते का प्रावधान प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। तकनीकी सहायक श्री गिरीश नारंग ब्लॉक पाटन ने बताया कि अधिनियम के अंतर्गत मजदूरी का भुगतान एक सप्ताह के भीतर किया जाना अनिवार्य है। यदि 15 दिवस के भीतर भुगतान नहीं होता है, तो संबंधित मजदूर को 0.05 प्रतिशत अतिरिक्त राशि ब्याज के रूप में देय होगी। उन्होंने कहा कि अब भुगतान में देरी की स्थिति में जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी।

कार्यक्रम की प्रमुख बिंदु

100 दिवस से बढ़ाकर 125 दिवस रोजगार उपलब्ध कराने की जानकारी। ग्राम की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यों का चयन।

जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तालाब, डबरी एवं अन्य संरचनाओं का निर्माण।

स्थायी परिसंपत्ति निर्माण के माध्यम से टिकाऊ विकास को बढ़ावा। महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरणा। आजीविका डबरी निर्माण पश्चात आय संवर्धन के अवसरों की जानकारी। कार्यक्रम में तालाब गहरीकरण कार्य के संबंध में लगभग 200 मजदूरों की उपस्थिति रही। ग्रामीणों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान मौके पर ही किया गया। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती माधुरी निषाद, सचिव श्री कामता पटेल, रोजगार सहायक श्री दिनेश चंद्राकर एवं श्री नरोत्तम निषाद उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत द्वारा भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई, ताकि शासन की योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और ग्राम के समग्र विकास में जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके।

उड़ीसा के बरगढ़ जिले में राष्ट्रीय दिव्यांग व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट का होगा आयोजन

जिले के 4 खिलाड़ियों का हुआ चयन

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। दिव्यांग क्रिकेट बोर्ड ऑफ इंडिया के अंतर्गत पहली बार नेशनल दिव्यांग व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन उड़ीसा राज्य के बरगढ़ जिले के लेंगू मिश्रा क्रिकेट स्टेडियम में (डी.सी.सी.बी.आई) दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया द्वारा 21 से 23 फरवरी तक किया जा रहा है। उप संचालक समाज कल्याण विभाग ने बताया कि जिसमें 04 राज्यों छत्तीसगढ़, उडीसा, आंध्रप्रदेश तथा गुजरात की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से भागीदारी किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य से जांजगीर-चांपा के चार खिलाड़ियों का चयन योग्यता के आधार पर किया गया है। इनमें धनंजय यादव (कप्तान), केशव चौहान, राकेश कश्यप तथा अमित बरेठ शामिल हैं। जिले से चयनित खिलाड़ियों को समाज कल्याण विभाग की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे द्वारा खिलाड़ियों को शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके बेहतर प्रदर्शन की कामना की गई है।

ब्लेड से गला रेता और कुएं में कूदा युवक, खौफनाक सुसाइड

कोरबा। अंधविश्वास और मानसिक अशांति का एक भयावह मेल कोरबा के बेंदरकोना गांव में देखने को मिला। यहां एक युवक ने न केवल अपना गला रेत लिया, बल्कि लहूलुहान हालत में कुएं में कूदकर अपनी जीवनलीला समाप्त करने का प्रयास किया। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। मंगलवार का दिन ग्राम बेंदरकोना के निवासियों के लिए सामान्य था, लेकिन अचानक राम कृष्ण कुर्रे (रामकिशन) ने एक धारदार चाकू उठाया और अपने ही गले पर वार कर दिया।

//न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

रा.प्र.क्र./ 202304100900053 अ-70 वर्ष 2022-23

ईश्तहार

एतद द्वारा श्री बलदाउ प्रसाद वर्मा पिता स्व. राधेश्याम निवासी ग्राम अरसनारा तहसील -पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक जगेसर वर्मा विधिक वारिसान योगेश कुमार पिता स्व.जगेसर निवासी अरसनारा द्वारा माननीय आयुक्त दुर्ग संभाग दुर्ग द्वारा प्रकरण क्रमांक 179 अ/70 वर्ष 2024-25 (ई कोट नं. 202501980100046) आदेश दिनांक 31.07.2025 में माननीय महोदय द्वारा अपीलार्थी बलदाउ प्रसाद की अपील खारिज करते हुए न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन के द्वारा पारित आदेश दिनांक 30.12.2024 को विधि अनुकूल होने से यथावत रखा गया है और अपीलार्थी की अपील खारिज किया गया है।

अतएव उक्त संबंध में श्री बलदाउ प्रसाद वर्मा पिता स्व. राधेश्याम निवासी ग्राम अरसनारा, तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि उक्त संबंध में प्रकरण में सुनवाई तिथि 09.03.2026 को उपस्थित होकर अपना जवाब प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17.02.2026 को जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

मसीही स्कूल की गुम इनोवा पर भौतिक कब्जे के लिए बैंक का पत्र

खुल गया वाहन ऋण का घोटाला

बिलासपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़ एजूकेशन के छत्तीसगढ़ में 19 स्कूल है। कुछ स्कूलों ने अपनी सुविधा के लिए महंगी एक्सयूवी खरीदी बैंक से लोन लेकर इसमें कुछ आपत्ति हो सकती है।

जिस पर बाद में चर्चा करेंगे पर पहले बैंक ऑफ़ बड़ोदा बिलासपुर राजकिशोर नगर ब्रांच का यह पत्र जो उन्होंने पुलिस सुपरिटेंडेंट रायपुर को प्रेषित किया है। पत्र कहता है कि उन्हें एक चार का सुरक्षा बल दिया जाए क्योंकि उन्हें इनोवा क्रिस्टा सीजी 04, पीएफ7436 का भौतिक पोजीशन लेना है। समाचार पढ़ने वालों को लग सकता है कि यह तो साधारण बात है असल में बिलासपुर के बर्जेस स्कूल की प्राचार्य हंसा दास और छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़ एजूकेशन कीप पदाधिकारी शशि वाघे के नाम से इस इनोवा वहां को बैंक ऑफ़बड़ौदा से लोन लेकर खरीदा गया। प्रारंभ में तो किस आसानी से पटी गई और वहां बर्जेस स्कूल में रहा जब छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़एजूकेशन पर अन्य पदाधिकारी का कब्जा हुआ तो यह वाहन बर्जेस स्कूल बिलासपुर से छत्तीसगढ़ डायोसिस के पदाधिकारियों के पास चला गया कारण सीडीबीई के पदाधिकारी और छत्तीसगढ़ डायोसिस के पदाधिकारी एक ही थे। 6 महीने पूर्व जब रजिस्टर फॉर्म सोसायटी ने नितिन लॉरेंस जयदीप रॉबिंसन को वैधानिक पदाधिकारी नहीं माना और उसे समिति को विधि शून्य घोषित कर दिया तो स्कूल में वाहन की ईएमआई जमा करना बंद कर दी गई। लगातार ईएमआई न मिलने के कारण बैंक ऑफ़ बड़ोदा ने वाहन पर भौतिक आधिपत्य के लिए उसे खोजना प्रारंभ किया यही कहानी में ट्विस्ट है।

बैंक के पदाधिकारियों को पता चला कि वहां तो छत्तीसगढ़ डायोसिस के पदाधिकारियों के द्वारा उपयोग किया जा रहा है तब बैंक ऑफ़बड़ोदा ने यह पत्र रायपुर एसपी को लिखा हमने जब और जानकारी प्राप्त की तो पता चला कि ऐसे अन्य तीन और इनोवा है। सालेम स्कूल, मुंगेली स्कूल और एक अन्य स्कूलों के प्रिंसिपल के नाम पर फाइनेंस हुए हैं। सालेम स्कूल प्रबंधन पर एक अन्य बड़ा आरोप है सरकार से जारी एक सहायता राशि की मद से एक वाहन खरीदा गया अथवा मद का दुरुपयोग किया गया।

ध्यान देने वाली बात यह भी है कि इसी वित्तीय वर्ष की ऑडिट रिपोर्ट में ऑडिटर ने भी वहां के लांग बुक मेंटेन ना होने और डीजल खर्च में बहुत बड़ी धनराशि जाने पर आपत्ति की है। मोटा मोटी समझ आता है कि वाहन स्कूल में है ही नहीं और वाहन का उपयोग अन्यत्र डायोसिस के पदाधिकारीयों द्वारा किया जा रहा है। मनमर्जी पूरे छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखंड में वाहन दौड़ रहा है। ऐसे में लांग बुक क्यों मेंटेन होगी। बैंक ऑफ़बड़ौदा के स्टैंटर से छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़ एजूकेशन छत्तीसगढ़ डायोसिस अपंजीकृत के पदाधिकारीयों का नया घोटाला बाहर आता है। अब देखने वाली बात है कि वाहन पर बैंक ऑफ़ बड़ौदा का भौतिक कब्जा होगा या नहीं और धनराशि का बेजा इस्तेमाल का भांडा खुल जाने के बाद स्कूल के प्राचार्य और कथित पदाधिकारीयों के खिलाफ क्या कार्रवाई होगी।

मनरेगा श्रमिकों के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य, 20 फरवरी को सभी पंचायत भवनों में विशेष शिविर सुबह 7 बजे से

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिला बेमेतरा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत पंजीकृत सभी श्रमिकों का ई-केवाईसी (आधार सत्यापन) अनिवार्य रूप से किया जा रहा है। इसी क्रम में 20 फरवरी 2026 को जिले की सभी ग्राम पंचायत भवनों में प्रातः 7 बजे से विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने इसे विशेष अभियान के रूप में संचालित करने का निर्णय लिया है, ताकि शत-प्रतिशत श्रमिकों का ई-केवाईसी सुनिश्चित किया जा सके।

मनरेगा कार्यों में वास्तविक श्रमिकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा डिजिटल माध्यम से पारदर्शी भुगतान व्यवस्था लागू करने के उद्देश्य से ई-केवाईसी आवश्यक किया गया है। ई-केवाईसी पूर्ण होने पर श्रमिकों की उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज की जा सकेगी, जिससे कार्यों के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बढ़ेगी और उन्हें समय पर भुगतान प्राप्त होगा।

ई-केवाईसी के प्रमुख लाभ :- पारदर्शिता में वृद्धि: श्रमिकों की उपस्थिति डिजिटल रूप से दर्ज होगी, जिससे भुगतान प्रक्रिया पारदर्शी बनेगी।

भ्रष्टाचार में कमी: डिजिटल सत्यापन के माध्यम से फर्जी प्रविष्टियों पर रोक लगेगी।

बेहतर निगरानी: श्रमिकों की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध होने से योजना के क्रियान्वयन की प्रभावी मॉनिटरिंग संभव होगी।

समय पर भुगतान: सत्यापित श्रमिकों को रोजगार एवं मजदूरी का लाभ शीघ्र और सुगमता से मिलेगा।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

//निविदा आमंत्रण सूचना//

क्रमांक-965 / NIT-13 / 2025-2026 / व ले लि — दिनांक : 16/02/2026

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत की अंतिम तिथि - 26/02/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 03/03/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि - 05/03/2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम / No Of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू. में)
1	2	3
13 T0101	जिला बेमेतरा के नांदघाट, देवकर एवं भिभोरी में तहसील कार्यालय भवन का शेष निर्माण कार्य	10.00 7500.00

निविदा संबंधी शर्तो का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-252606748/3

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग बेमेतरा

नीति आयोग की महानिदेशक श्रीमती छिब्बर ने ली आकांक्षी विकासखण्ड एवं संपूर्णता अभियान 2.0 की समीक्षा बैठक

लक्ष्य पूर्ण होने के बाद भी निरंतरता बनाए रखें - प्रभारी सचिव श्रीमती छिब्बर

महासमुन्द (समय दर्शन)। महानिदेशक नीति आयोग, नई दिल्ली एवं जिले की प्रभारी सचिव श्रीमती निधि छिब्बर आज आकांक्षी विकासखंड पिथौरा के प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने आकांक्षी विकासखंड पिथौरा में विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विभागीय समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने पिथौरा विकासखंड अंतर्गत संचालित आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रमों के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, कौशल विकास, महिला एवं बाल विकास, स्वच्छता तथा आधारभूत संरचना से जुड़ी योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली।

श्रीमती छिब्बर ने कहा कि हमें केवल संकेतांको के लक्ष्य को पूर्ण करने में ही ध्यान देने के बजाय उनसे आगे की सोच और एक निरंतर चलने वाली गतिविधि के रूप में अपनाना होगा। उनके गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन और निरंतरता को बनाए रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। श्रीमती छिब्बर ने कहा कि कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए निरंतर समीक्षा होनी चाहिए। जिले में दूध उत्पादन और डेयरी उद्योग में बहुत संभावनाएं हैं। पशुपालन विभाग को इस पर कार्य करने के निर्देश दिए। इसी तरह बैठक के दौरान श्रीमती छिब्बर ने कहा कि महिलाओं को आजीविका संबंधी गतिविधि के लिए पर्याप्त स्थान देने के लिए तथा बैंक लिंकेज से जोड़े। इसके अलावा सतत विकास लक्ष्य के संकेतांको को भी ध्यान रखते हुए कार्य किए जाए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, नीति आयोग के अपर सचिव सतीश गोस्वामी, संबंधित विभाग के अधिकारी एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा योजनाओं की अद्यतन प्रगति, उपलब्धियों की जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि जिले में सम्पूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत 31 दिसंबर 2025 तक की स्थिति के अनुसार अधिकांश लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया गया है।

छ ग संकीर्तन समिति के अध्यक्ष बने गौरचंद्र प्रधान

बसना (समय दर्शन)। बसना क्षेत्रांतर्गत के प्रसिद्ध मंदिर श्री श्री रामेश्वर रामचंडी मंदिर परिसर गढ़फुलझर में छत्तीसगढ़ संकीर्तन समिति का एक आवश्यक बैठक रखा गया।

जिसमें समिति को और अधिक मजबूत और सशक्त बनाने एवं समिति द्वारा बनाये गये नियमावली को रचनात्मक रुप देने एवं भगन्नाम धर्म प्रचार प्रसार को व्यापक करने की दिशा में गहन चर्चा परिचर्चा पश्चात केंद्रीय कार्यकारिणी की गठन किया गया।

केंद्रीय समिति के गठन प्रक्रिया पथरला के कौशिक कुमार प्रधान गुरूजी के गरिमामयी उपस्थिति में सराईपाली के ब्लॉक अध्यक्ष गुरु नरोत्तम देहरी, बसना ब्लॉक के अध्यक्ष गौरांग होता एवं पिथौरा ब्लॉक के अध्यक्ष तेजकुमार प्रधान के नेतृत्व में तीनो ब्लॉक के सचिव, कोषाध्यक्ष, पदाधिकारियों एवं समिति के सदस्यों द्वारा केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों का चयन निर्विरोध एवं निर्विवाद रूप से किया गया । जिसमें छ ग केंद्रीय समिति का अध्यक्ष गौरचंद्र प्रधान,उपाध्यक्ष द्वय शेषदेव प्रधान, पृथ्वीराज प्रधान, सचिव राकेश मिश्रा, सह सचिव शशिभूषण प्रधान, कोषाध्यक्ष शंकर्षण पंडा, मिडिया प्रभारी गजानन भोई, कार्यकारिणी सदस्य वीरेंद्र बारीक एवं निशामणि को सर्व सम्मति से चुना गया।

इसके पश्चात केंद्रीय समिति के नवनियुक्त पदाधिकारियों की रायसुमारी से ब्लॉक के सभी पदाधिकारियों का मनोनयन गरिमामयी रूप से किया गया। वरिष्ठ तेजराम प्रधान ने सभी पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कराया।

इस अवसर पर ब्लॉक संरक्षक तेज कुमार प्रधान, उत्तर प्रधान, राकेश भोई,गौतम सतपाथी, संजय प्रधान,शिवनारायान साहू,पुरुसोत्तम प्रधान, गुणनिधि वैष्णव, अर्जी लाल, जन्मजय बारीक, देवेश भोई, दधिवामन मेहेर, गजानन पटेल, सुमंत दास, महिला कलाकार चंद्रकला साहू, सुमित्रा भोई, दिव्या भोई, करीना भोई, युधिष्ठिर बुडेक, धनराज भोई, संजना भोई, उपेंद्र साहू, नलिनी बारीक़, महेन्द्र कुमार साहू,सुरेश प्रधान, लिंगराज पांडे, कविलाल साहा,सोहन यादव, विनय भोई, अलेख निरंजन,के साथ साथ अंचल के सभी गौर भक्त, संकीर्तन प्रेमी एवं संकीर्तन कलाकार उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाए। यह जानकारी मिडिया प्रभारी गजानन भोई के द्वारा दिया गया।

संक्षिप्त-खबर

महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव मंदिर चिखली में जस गायन प्रतियोगिता का समापन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शिव मंदिर चिखली स्थित शांतिनगर में आयोजित दो दिवसीय जस गायन प्रतियोगिता का समापन समारोह धूमधाम से हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शहर जिला कांग्रेस के प्रभारी बृजेश शर्मा और कांग्रेस नेता आसिफअली सहित अन्य प्रमुख नेता भी शामिल हुए।

समारोह की शुरुआत आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रमोद सोनटेके द्वारा मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का गुलाल लगाकर स्वागत एवं शाल श्रीफल भेंट करके की गई। इस दौरान बृजेश शर्मा और आसिफ अली ने महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर में भगवान भोलेनाथ का दर्शन किया और उपस्थित जनमानस को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

समारोह में कांग्रेस नेता हितेश गोन्नाडे, मंडल अध्यक्ष कृष्णा मेश्राम, मंडल अध्यक्ष निरंजन पासवान और विशाल गढ़े भी मौजूद रहे। समारोह के दौरान कार्यक्रम में शामिल जनमानस एवं आयोजन समिति के सदस्य उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इस प्रतियोगिता के समापन के साथ ही क्षेत्रीय समुदाय के बीच एकता और भक्ति का संदेश फैलाया गया।

पाटन में आदिशक्ति कुल देवी माता एवं गणेश जी की प्राण प्रतिष्ठा 28 फरवरी से

पाटन (समय दर्शन)। परम पूज्य माता सती एवं भगवान गणेश की असीम अनुकंपा से आदिशक्ति कुल देवी माता जी एवं गणेश जी की प्रतिमा की पुनर्स्थापना (प्राण प्रतिष्ठा) का भव्य आयोजन पाटन में किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर क्षेत्र के श्रद्धालुओं से गरिमामयी उपस्थिति की अपील की गई है। आयोजन के तहत 28 फरवरी 2026, शनिवार को प्रात: 9 बजे से कलश शोभा यात्रा, वेदी पूजन एवं अन्य पूजन कार्यक्रम संपन्न होंगे। इसके पश्चात 01 मार्च 2026, रविवार को प्रात: 9 बजे से विधि-विधानपूर्वक प्राण प्रतिष्ठा एवं समस्त पूजन कार्य आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत महाआरती एवं महाप्रसादी का भी आयोजन रखा गया है। दोनों दिवस मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए स्वल्पाहार एवं दोपहर प्रसादी भोजन की व्यवस्था रहेगी।

यह धार्मिक आयोजन मां महामाया मंदिर प्रांगण, पाटन, जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़) में संपन्न होगा।

आयोजन समस्त पटनहा मिश्रा परिवार—पाटन, खट्टी, मटिया, दौर, गनियारी, सोनपुर, धूमा, मर्रा, रनचिरई एवं कसही—के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। आयोजकों ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया है।

पेंशनर संघ बसना का मासिक बैठक संपन्न

बसना (समय दर्शन)। छ ग पेंशन धारी कल्याण संघ तहसील शाखा बसना का मासिक बैठक दिनांक -18/ 02 /2026दिन- बुधवार को पेंशन भवन सरस्वती शिशु मंदिर के पास बसना में अध्यक्ष भगवान प्रसाद सेठ की अध्यक्षता में संपन्न हुआ ।

बैठक में नये सदस्य शरद कुमार प्रधान एवं पुरुषोत्तम दीवान को अंग वस्त्र एवं श्रीफल से स्वागत किया गया । इस दौरान सभी पेंशनरों ने दुर्लभ प्रधान एवं त्रिविक्रम प्रधान का जन्म दिन मनाकर उनके उतम स्वास्थ्य की कामना की गयी।

बैठक में तहसील शाखा का नये सिरा से गठन किया गया। जिसमें सभी विभागो को समान सहभागिता प्रदान किया गया । अंत में स्व . मिलन सिंह खरे को श्रद्धांजलि दिया गया । बैठक में भारी संख्या में पेंशनर उपस्थित हुए। यह जानकारी प्रांतिय प्रचार सचिव आर बी प्रधान ने प्रदान किया ।

स्मार्ट मीटर, स्मार्ट सुविधा: वैशाली नगर और कोहका के शिविरों में उपभोक्ताओं ने जानी आधुनिक बिजली प्रबंधन की खूबियां

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा उपभोक्ताओं को अत्याधुनिक सुविधाओं से अवगत कराने के उद्देश्य से चलाए जा रहे स्मार्ट मीटर जागरूकता पखवाड़ा के तहत दुर्ग शहर वृत्त के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नगर संभाग पश्चिम भिलाई के वैशाली नगर जोन में एकता चौक, लोहिया रोड और कोहका जोन के तहत मंगल बाजार, पुरानी बस्ती में संपन्न हुए। कार्यक्रम के दौरान बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर की उपयोगिता, सटीक बिलिंग प्रक्रिया और बिजली खपत में पारदर्शिता के बारे में विस्तार से बताया गया। दोनों ही स्थानों पर आकर्षक नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया, जिसके माध्यम से स्मार्ट मीटर के लाभों को सरल और मनोरंजक तरीके से आम जनता तक पहुँचाया गया।

बड़ेसजापाली-सलखंड उपार्जन केंद्र बने लावारिस गोदाम

धान खरीदी व्यवस्था बेपटरी

ऑपरेटर-प्रभारी नदारद, ताले बंद दफ्तर, करोड़ों का धान भगवान भरोसे

बसना जिला सहकारी समिति अंतर्गत बड़ेसजापाली,सलखंड

बसना (समय दर्शन)। शासन की बहुचर्चित धान खरीदी व्यवस्था जमीनी स्तर पर किस कदर लापरवाही की भेंट चढ़ रही है, इसकी बानगी बड़ेसजापाली और सलखंड उपार्जन केंद्रों में साफ देखने को मिली।

दोनों ही केंद्रों पर जिम्मेदारों की गैरमौजूदगी ने करोड़ों रुपये के धान को लावारिस हालत में छोड़ दिया है।

बड़ेसजापाली धान उपार्जन केंद्र में हालात ये है कि, ऑपरेटर से लेकर खरीदी प्रभारी तक कोई मौजूद नहीं था। दोपहर करीब 2 बजे हमारे संवाददाता जब केंद्र पहुंचे तो पूरा परिसर सूना पड़ा मिला। केवल बुजुर्ग चौकीदार ही मौके पर दिखे, जिन्होंने बताया कि ऑपरेटर बाहर गए हुए हैं और खरीदी प्रभारी गणेश पटेल भी केंद्र पर नहीं हैं। प्रभारी से फोन पर तीन बार संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन हर बार फोन काट दिया गया। करोड़ों का धान केंद्र में रखा है, लेकिन निगरानी और जवाबदेही शून्य नजर आई।

इससे भी ज्यादा चिंताजनक स्थिति सलखंड उपार्जन केंद्र में देखने को मिली। यहां तो चौकीदार तक मौजूद नहीं थे। उपार्जन केंद्र का कार्यालय ताले में बंद मिला और पूरा परिसर वीरान नजर आया। खरीदी प्रभारी हरे कृष्ण बंजारे और ऑपरेटर दोनों ही नदारद पाए गए। करोड़ों रुपये का धान खुले में पड़ा है, लेकिन उसके संरक्षण की जिम्मेदारी लेने वाला कोई नहीं।

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यदि इन केंद्रों में कोई अनहोनी घटना घटती है या अचानक प्रशासनिक जांच हो जाती है, तो जवाबदेही तय करने वाला कोई मौजूद नहीं है।

सलखंड और बड़ेसजापाली के ये खरीदी केंद्र आज लावारिस गोदाम में तब्दील हो चुके हैं।

स्थानीय किसानों और ग्रामीणों में इस स्थिति को लेकर भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि सरकार एक ओर पारदर्शी धान खरीदी की बात करती है, वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी अपनी ड्यूटी से गायब हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर दोषी प्रभारी व कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि करोड़ों के धान और किसानों की मेहनत की फसल सुरक्षित रह सके।

16 करोड़ की अधोसंरचना राशि स्वीकृत, दुर्ग के 60 वार्डों में तेज होंगे विकास कार्य

दुर्ग (समय दर्शन)। शहर क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिक निगम के 60 वार्डों में अंदरूनी सड़कों, नालियों एवं अन्य अधोसंरचना कार्यों के लिए 16 करोड़ रुपये की राशि शासन द्वारा स्वीकृत की गई है। यह स्वीकृति महापौर अलका बाघमार के लगातार प्रयासों का परिणाम है। लंबे समय से गली-मोहल्लों में जर्जर सड़कों और क्षतिग्रस्त नालियों की समस्या के समाधान हेतु की जा रही मांग को अंतत: शासन ने हरी झंडी दे दी है। अधोसंरचना मद से प्राप्त 16 करोड़ रुपये की स्वीकृति पर महापौर अलका बाघमार ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी एवं डिप्टी सीएम व नगरीय निकाय मंत्री श्री अरुण साव जी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह राशि केवल सड़क और नाली निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सरकार और जनता के बीच विश्वास की कड़ी को और अधिक मजबूत करने का प्रतीक है। महापौर अलका बाघमार ने जानकारी दी कि इससे पूर्व लगभग 64 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति मिल चुकी है,जिनकी टेंडर प्रक्रिया जारी है। बता दे कि 9 करोड़ धमधा रोड से आदित्य नगर सिंधिया नगर होते हुए रायपुर नाका,9 करोड़ शहीद चौक से राजेंद्र पार्क सड़क चौड़ीकरण,4 करोड़ साइंस कॉलेज के बगल से कैनल रोड,17 करोड़ मल्टी नेशनल पार्किंग इंदिरा मार्केट,3 करोड़ का नाला करीडीहि। महापौर ने कहा कि मुख्य मार्गों के साथ-साथ अब गली-मोहल्लों में मूलभूत सुविधाओं की कमी को दूर करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिन क्षेत्रों में सड़कें और नालियां खराब हैं, वहां शीघ्र कार्य प्रारंभ कर नागरिकों को राहत पहुंचाई जाएगी। उन्होंने दोहराया कि निगम का संकल्प है कि विकास की गति सतत बनी रहे और प्रत्येक वार्ड तक मूलभूत सुविधाएं सुलभ हों।

अवैध रेत उत्खनन पर की गई कार्रवाई: 02 चैन माउंटेन मशीन व 3 ट्रैक्टर जब्त

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए तहसील बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम खपरीडीह एवं तहसील पामगढ़ के ग्राम देवरघटा के क्षेत्र में जांच की गई। जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान ग्राम खपरीडीह में अवैध रेत उत्खनन में लगे 1 चैन माउंटेन एवं ग्राम देवरघटा में 1 चैन माउंटेन और 3 ट्रैक्टर को जब्त किया गया। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण पर प्रभावी नियंतत्रण हेतु जिला स्तरीय उडनदस्ता दल द्वारा लगातार जांच कर कार्यवाही की जा रही है। खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण करने वालो के विरूद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही नियमानुसार उपरोक्त वाहनों के वाहन चालको के ड्राइविंग लाईसेंस निरस्त करने संबंधी कार्यवाही की जाएगी।

मनरेगा को खत्म करने के आरोप पर कांग्रेस का कलेक्ट्रेट घेराव, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

किसानों का करीब पौने चार करोड़ बकाया, 20 फरवरी को रायपुर ट्रैक्टर रैली की चेतावनी

महासमुन्द (समय दर्शन)। मनरेगा को लेकर सियासत गरमा गई है। जिला कांग्रेस ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ कलेक्ट्रेट का घेराव कर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि मनरेगा को कमजोर कर इसे पूरी तरह खत्म करने की साजिश की जा रही है। महासमुंद जिला कांग्रेस के नेतृत्व में आज बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी विजय जांगिड़, खरसिया विधायक उमेश पटेल और जिला कांग्रेस अध्यक्ष द्वारकाधीश यादव की अगुवाई में प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए भाजपा सरकार पर मनरेगा को खत्म करने का आरोप लगाया और कहा कि यह योजना ग्रामीण गरीबों और मजदूरों के लिए जीवनरेखा है। मनरेगा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। अगर इसे कमजोर किया गया तो लाखों मजदूरों के सामने रोज़गार का संकट खड़ा हो जाएगा। हम इसकी कटौती और कथित बंद करने की साजिश का पुरजोर विरोध करते हैं।

जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में रहा। कलेक्ट्रेट परिसर के आसपास चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई थी ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम को महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

प्राचार्य के लगातार गलत रवैय्या पर उठे सवाल, एबीवीपी ने जलाया प्राचार्य सुचित्रा गुप्ता का पुतला

राजनांदगांव (समय दर्शन)। दिग्विजय कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य का पुतला फूंका और जमकर प्राचार्य के विरोध में नारेबाजी की।

ज्ञात हो कि महाविद्यालय में जबसे प्राचार्य सुचित्रा गुप्ता ने प्रभार सम्हाला है, तब से महाविद्यालय में व्यवस्था पूरी तरह चरमराया हुआ है। महाविद्यालय के दिनांक 16 फरवरी को कुछ विद्यार्थियों का मोबाइल मैडम द्वारा जबरदस्ती छीना गया, जिसके विरोध में एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने विरोध किया और मोबाइल को वापस विद्यार्थियों को दिलवाया।

तत्पश्चात प्राचार्य द्वारा सभी विद्यार्थियों का मोबाइल तो वापस किया, लेकिन सभी के नाम, मोबाइल नंबर, पिता का नाम व अन्य निजी जानकारी वेबसाइट व सूचना बोर्ड में चस्पा कर दिया गया, जो निजता के हनन के अंतर्गत आता है, ऐसे विद्यार्थियों से संबंधित जानकारी इस तरह से उजागर करना प्राचार्य की लापरवाही और अपने कार्य के प्रति रुचि न होने को दर्शाता है।

छात्राओं का नेतृत्व करते हुए प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चांदना श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान द्वारा छात्राओं की व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक करना अत्यंत गैरजिम्मेदाराना कृत्य है। यह केवल अनुशासन का विषय नहीं, बल्कि छात्राओं की गरिमा और सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है, यदि इस प्रकार की घटनाओं पर

तत्काल और सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन प्रदेश स्तर तक आंदोलन को विस्तार देगा।

वहीं जिला संयोजक धनंजय पांडे ने कहा कि एबीवीपी सदैव छात्राओं के अधिकार और सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि छात्राओं की निजता से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होने तक संगठन आंदोलन जारी रखेगा एवं प्रदर्शन और भी उग्र होगा।

नगर मंत्री अक्षत श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में कहा कि कॉलेज प्रशासन को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि छात्राओं की सुरक्षा और गोपनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही दोबारा सामने आई, तो एबीवीपी और भी व्यापक व उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी। उन्होंने यह भी कहा कि छात्राओं के सम्मान से समझौता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा और आवश्यकता पड़ी तो संगठन सड़क से लेकर प्रशासनिक स्तर तक निर्णायक लड़ाई लड़ेगा।

प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिए परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही, हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हो गई। इस पूरे घटनाक्रम ने शिक्षा संस्थानों में छात्राओं की निजता और डेटा सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अभिभावकों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से पारदर्शी एवं जिम्मेदार रवैया अपनाने की मांग की है।

प्रदर्शन के दौरान मुख्य रूप से प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रतीक गढ़वाल, जीत प्रजापति, नगर सह मंत्री भूपेंद्र पाल, नगर महाविद्यालय प्रमुख जीत शर्मा, सह प्रमुख सुश्री वेणुका, नगर एसएफडी प्रमुख कुलदीप पाल, नगर एसएफएस प्रमुख सुश्री चैतन्या द्विवेदी, राष्ट्रीय कला मंच प्रमुख सुश्री युक्ता मांडवी, सह प्रमुख सुश्री प्रिया, नगर सोशल मीडिया संयोजक यश श्रीवास्तव, सह प्रमुख ओजस ऊईके, मोहित साहू तामेश्वर नायक, गीतेश कुमार, देवेंद्र, धन्नू टंडन, लक्ष्य जैन, जीत पांडे, लुभांशू, शिवम, वेणुका, प्रिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26